राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 20 मई 2025 वर्ष-8,अंक-90 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1


## यूट्यूबर ज्योति एनआईए की हिरासत में, टेरर कनेक्शन में होगी पूछताछ

● आतंकी हमले से पहले पहलगाम-पाकिस्तान गई थी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हिरासत में ले लिया है। एनआईए की टीम सोमवार को ज्योति से पूछताछ करने हिसार पहुंची थी। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर चंडीगढ़ ले गई। अब ज्योति से टेरर लिंक

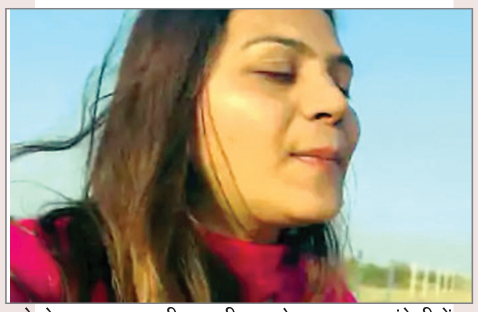

को लेकर पूछताछ की जाएगी। इसके साथ जम्मू इंटेलीजेंस भी यूट्यूबर से पूछताछ करेगी। इससे पहले यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर दिया गया। उसके 1.39 लाख फॉलोअर्स थे। रविवार, 18 मई की रात को भी हिसार पुलिस ज्योति के घर पहुंची थी। वहां छानबीन कर कुछ दस्तावेज जब्त किए गए हैं। हिसार पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि ज्योति पहलगाम हमले से पहले कश्मीर गई थी। वह पहलगाम, गुलमर्ग, डल लेक, लद्दाख की पैंगॉन्ग लेक तक गई थी। पैंगॉन्ग चीन से लगी लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) से सटा हुआ है। उसने अपने यूट्यूब चैनल पर इन जगहों के वीडियो शेयर किए हैं।

## भारत के खिलाफ 'तीसरा फ्रंट' खोलने की तैयारी

● पाकिस्तान के यार खलीफा एर्दोगन का 'स्पेस पोर्ट' वाला प्लान

**अंकारा/इस्लामाबाद (एजेंसी)।** भारत के साथ संघर्ष के दौरान तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। तुर्की ने भारत और पाकिस्तान के बीच अपना खेमा चुन लिया है। लेकिन तुर्की को लेकर ताजा रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन की नजरें चीन की तरह ही हिंद महासागर में टिकी हुई हैं और इसके लिए वो अंतरिक्ष में बैलिस्टिक मिसाइल की टेस्ट के लिए एक स्पेसपोर्ट बनाने के लिए जगह खोज रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि तुर्की कथित तौर पर 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के सोमालिया से स्पेसपोर्ट बनाने के लिए बात कर रहा है। इसके जरिए तुर्की की कोशिश ना सिर्फ 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' में अपना प्रभाव बढ़ाना है, बल्कि स्पेस टेक्नोलॉजी को विस्तार देते हुए सोमालिया में बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च पैड बनाना है। तुर्की इसके जरिए सोमालिया में स्थिति रणनीतिक भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाना चाहता है। हालांकि तुर्की का ये प्रोजेक्ट सीधे तौर पर भारत को प्रभावित नहीं करता है।

## बिहार पहुंच रहे चीन के घातक हथियार, बढ़ जाएगा खतरा

● अहमद अंसारी ने किए खुलासे तो मच गया है हड़कंप

**मुजफ्फरपुर (एजेंसी)।** एनआईए की जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। नागालैंड के रास्ते चीन से घातक हथियार बिहार पहुंच रहे हैं। इस मामले में अहमद अंसारी, विकास कुमार और देवमनी राय शामिल हैं। ये सभी दीमापुर के रणजीत दास से जुड़े हुए हैं। एनआईए हथियारों की सप्लाई चेन की गहराई से जांच कर रही है। उन्हें शक है कि एके-47 जैसे हथियार चीन से नागालैंड लाए जा रहे हैं। दरअसल, एनआईए म्यांमार के रास्ते विदेशी एके-47 को नागालैंड लाने के मामले में रणजीत दास की भूमिका की जांच

कर रही है। एनआईए ने अपनी चार्जशीट में इसका जिक्र किया है। एनआईए को शक है कि चीन से अवैध हथियारों की खेप नागालैंड लाई जा रही है। एनआईए इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या ये लोग सेना और आईपीएस अफसरों को मिलने वाली ग्लॉक पिस्टल की तस्करी भी कर रहे थे। जांच में पता चला है कि अहमद अंसारी, विकास कुमार, सत्यम और देवमनी राय एके-47 के अलावा विदेशी पिस्टल भी सप्लाई करते थे। विकास और उसके साथियों से बरामद मोबाइल में एके-47 और ग्लॉक जैसी विदेशी पिस्तौल की तस्वीरें मिली हैं। इससे पता चलता है कि ये लोग ग्लॉक पिस्टल की तस्करी में भी शामिल थे।

# विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की बैठक में विदेश सचिव ने दिए जवाब

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की बैठक के दौरान विदेश सचिव विक्रम मिसरी से सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद सीजफायर, डोनाल्डि ट्रंप के दावे, पाकिस्तासन की परमाणु हमले की धमकी और चीन के पाकिस्ता न का साथ देने सहित कई सवाल पूछे । इस दौरान विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सभी सांसदों के सभी सवालों का अच्छेर से जवाब दिया। अच्छेन माहौल में हुई इस बैठक के दौरान विदेश सचिव मिसरी की ट्रोलिंग का मुद्दा भी उठा और सांसदों ने कहा कि इसकी निंदा की जानी चाहिए।

इस दौरान विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने समिति को बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष हमेशा पारंपरिक दायरे में रहा और पड़ोसी देश की ओर से कोई परमाणु संकेत नहीं दिया गया था।

सूत्रों ने कहा कि मिसरी ने सरकार के रुख को दोहराया कि सैन्य कार्रवाई रोकने का निर्णय द्विपक्षीय स्तर पर लिया गया था, क्योंकि कुछ विपक्षी सदस्यों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से संघर्ष को रोकने में उनके प्रशासन की भूमिका को लेकर बार-बार किए गए दावों को लेकर सवाल उठाया था।

सूत्रों के मुताबिक, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने खुद ही बयान जारी किए। भारत ने कभी भी युद्ध विराम के लिए किसी भी तरह से हस्तक्षेप करने के लिए अमेरिका से संपर्क नहीं किया। संघर्ष के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच सभी संपर्क डीजीएमओ स्तर पर थे।

सूत्रों ने बताया कि कुछ सांसदों ने पूछा कि क्या पाकिस्तान ने संघर्ष में चीनी मंचों का इस्तेमाल किया है। मिसरी ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि भारत ने पाकिस्तानी हवाई ठिकानों को तबाह कर दिया।

बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि जिस तरह से विदेश सचिव को सोशल मीडिया में ट्रोल किया गया, उसकी निंदा की जानी चाहिए।

भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर बनी सहमति के बाद विदेश सचिव को सोशल मीडिया पर 'ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। हालांकि राजनीतिक नेताओं, पूर्व नौकरशाहों और सेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों ने मिसरी का समर्थन किया।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता में विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की

बैठक में 24 सांसदों ने भाग लिया। इसमें तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, कांग्रेस के राजीव शुक्ला और दीपेंद्र हुड्डा, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और भाजपा की अपराजिता सारंगी और अरुण गोविल सहित अन्यए सांसदों ने भाग लिया।

# भारत कोई धर्मशाला नहीं, जहां दुनिया भर के शरणार्थी घुस आएं

● सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया आईना, कहा-हम खुद 140 करोड़

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां दुनिया भर से शरणार्थी आएं और बसते चले जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने एक श्रीलंकाई तमिल की याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा कि हमारी तो अपनी ही आबादी 140 करोड़ से ज्यादा है। ऐसे में क्या भारत दुनिया भर के शरणार्थियों का अपने यहां स्वागत कर सकता है। यह कोई धर्मशाला तो नहीं है, जहां हम दुनिया भर से आए लोगों का स्वागत करें। इसके साथ ही उन्होंने श्रीलंकाई तमिल शख्स को हिरासत में लिए जाने के मामले में दखल से इनकार कर दिया। श्रीलंकाई तमिल शख्स ने खुद को हिरासत में लिए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी, जिसमें दखल से शीर्ष अदालत ने साफ इनकार कर दिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता के नेतृत्व वाली बेंच में जस्टिस के. विनोद चंद्रन भी शामिल थे। श्रीलंकाई तमिल ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अर्जी दाखिल की थी, जिसमें कहा गया था कि अपनी 7 साल की सजा पूरी होने के तुरंत बाद वह देश से निकल जाए। शख्स को एक केस में 7 साल कैद की सजा मिली थी। लेकिन

श्रीलंकाई तमिल ने सजा पूरी होने के बाद भारत में ही रहने की इच्छा जाहिर की। उसके वकील ने अदालत से कहा कि मेरा मुवक्किल वीजा लेकर भारत आया था। अब यदि वह अपने देश वापस गया तो फिर उसकी जान को खतरा होगा।

### रोहिंग्या रिफ्यूजी वाली अर्जी भी सुप्रीम कोर्ट ने की थी खारिज

बता दें कि रोहिंग्या रिफ्यूजियों के मामले में भी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने दखल देने से इनकार कर दिया था। दरअसल याची को 2015 में लिट्टे से जुड़े होने के आरोप में अरेस्ट किया गया था। 2018 में शख्स को ट्रायल कोर्ट ने दोषी करार दिया था और 10 साल की कैद की सजा दी थी। इस फैसले के खिलाफ उसने हाई कोर्ट में अपील की थी, जिसके बाद उसकी सजा 7 साल हो गई। इसके साथ ही यह आदेश भी उच्च न्यायालय ने दिया था कि वह सजा पूरी होते ही देश छोड़ देगा। अब देश छोड़ने के फैसले के खिलाफ याची ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, लेकिन अदालत ने राहत देने से साफ इनकार कर दिया।

## संभल जामा मस्जिद के सर्वे का रास्ता साफ

● *हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका, याचिका खारिज*

**संभल (एजेंसी)।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल जामा मस्जिद के एएसआई सर्वे पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है और एएसआई सर्वे के आदेश के खिलाफ इंतजामिया कमेटी की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी है।

कोर्ट ने कहा कि सर्वे कमिश्नर के लिए अर्जी देने के साथ इस मामले में दीवानी वाद भी पोषणीय है। कोर्ट ने इंतजामिया कमेटी के इस तर्क को भी स्वीकार नहीं किया कि दीवानी मुकदमा 1991 के पूजा स्थल अधिनियम के प्रावधानों से बाधित है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने सोमवार को खुली अदालत में सुनाया। कोर्ट ने जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी, हरि शंकर जैन और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकीलों को सुनने के बाद गत 13 मई को निर्णय सुरक्षित कर लिया था।

## 25 मई को कच्छ के भुज में पीएम मोदी भरेंगे हुंकार

● 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद गुजरात में करेंगे पहली सार्वजनिक सभा

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' से आतंकवादियों के आकाओं को कड़ा जवाब देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर आएंगे। पीएम मोदी के अहमदाबाद, दाहोद और कच्छ के भुज जाने की संभावना है। पीएम मोदी कच्छ के भुज में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे। इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। सूत्रों के अनुसार जल्द ही पीएम मोदी का आधिकारिक कार्यक्रम रिलीज हो जाएगा। इसे अंतिम तौर पर फाइनल किया जा रहा है। पीएम मोदी पिछले साल दीवाली पर कच्छ पहुंचे थे तब उन्होंने सरक्रीक के पास हरामी नाला के नजदीक सैनिकों के साथ दीवाली मनाई थी। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले हफ्ते भुज एयरबेस का दौरा किया था।

## अबकी जमकर बरसेंगे बदरा, होगा पानी-पानी!

● बाढ़ और आंधी की चेतावनी, मौसम की मार जारी

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** मौसम ने एक बार फिर करवट ली है और देश के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि बरसात अभी जारी रहने वाली है। इसके मुताबिक, मई के अंत में मौसम में फिर से बदलाव की संभावना है, क्योंकि विभिन्न वायुमंडलीय प्रणालियां सक्रिय हो रही हैं। 21 मई के आसपास अरब सागर में कर्नाटक तट के पास ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से 22 मई को निम्न दबाव का क्षेत्र विकसित हो सकता है, जो उत्तर की ओर बढ़ते हुए और तीव्र हो सकता है। इससे कर्नाटक, गोवा, और महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश होगी। आंधी के साथ बाढ़ और जलभराव का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ भी तैयार हो रहा है। इसके चलते पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। राजस्थान, पंजाब से लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर भारत में बारिश व गरज-चमक के साथ तूफान की आशंका है। महाराष्ट्र और

बंगाल की खाड़ी में मौजूद चक्रवाती सर्कुलेशन से मध्य और दक्षिण भारत में बारिश हो सकती है। उत्तर-पूर्वी राज्यों जैसे असम और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इसके चलते रबी फसलों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन अत्यधिक बारिश से बाढ़ और फसलों को नुकसान होने का जोखिम भी है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में रात भर हुई भारी बारिश की वजह से विभिन्न इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सड़कों पर जगह जगह पानी भर गया है और कई आवासीय इलाके जलमग्न हो गए हैं। शहर में अभी और बारिश के आसार हैं। आईएमडी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में बेंगलुरु में 103 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। सोशल मीडिया पर बेंगलुरु के विभिन्न हिस्सों से जलमग्न सड़कों के वीडियो सामने आ रहे हैं, जिसमें दिखाया गया कि बारिश के बीच शहर किस तरह की समस्याओं से जूझ रहा है। गृह मंत्री जी परमेश्वर के अनुसार, पिछले तीन दिनों से बेंगलुरु में भारी बारिश हो रही है।

## केंद्र का राज्यों को अल्टीमेटम, 1 माह में ढूंढ निकालें बांग्लादेशी घुसपैठिए

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को अल्टीमेटम देते हुए निर्देश दिए है कि 30 दिन के भीतर बांग्लादेशी घुसपैठियों को ढूंढे और उनके दस्तावेजों की जांच करें। यदि पुष्टि नहीं होती है तो तत्काल उन्हे निर्वासित करें। इस महीने जारी किए गए निर्देशों में, गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने वैधानिक अधिकारों का उपयोग करके अवैध प्रवासियों की पहचान, जांच और निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। साथ ही, मंत्रालय ने सभी राज्यों को जिला स्तर पर पर्याप्त हिरासत केंद्र (डिटेंशन सेंटर) स्थापित करने के निर्देश दिए हैं, जहां निर्वासन की प्रक्रिया पूरी होने तक संदिग्ध प्रवासियों को रखा जाएगा।

यह कदम केंद्र सरकार की उस नीति का हिस्सा है, जिसके तहत बांग्लादेश और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। गृह मंत्रालय ने बांग्लादेश और म्यांमार से आए उन संदिग्ध अवैध प्रवासियों की पहचान और उनके दस्तावेजों की जांच के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 30 दिन की समय सीमा दी है, जो स्वयं को भारतीय नागरिक बताते हैं। मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, यदि 30 दिनों के भीतर उनके

दस्तावेजों की पुष्टि नहीं होती, तो उन्हें देश से निर्वासित कर दिया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने अपने निर्देशों में कहा है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या प्रवासियों का रिकॉर्ड रखना होगा, जिन्हें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और तटरक्षक बल को निर्वासन के लिए सौंपा जाता है। इसके अलावा, हर महीने की 15 तारीख को इस संबंध में केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट सौंपना अनिवार्य होगा। मंत्रालय ने ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन को भी निर्देश दिए हैं कि निर्वासित व्यक्तियों की सूची एक सार्वजनिक पोर्टल पर प्रकाशित की जाए। यह डेटा आधार नंबर, मतदाता पहचान पत्र और पासपोर्ट जारी करने से रोकने के लिए यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई), निर्वाचन आयोग और विदेश मंत्रालय के साथ शेयर किया जाएगा। यदि अवैध प्रवासियों के पास पहले से ही ऐसे दस्तावेज हैं, तो उन्हें निष्क्रिय कर दिया जाएगा और संबंधित लाभ बंद कर दिए जाएंगे।

### सीमा सुरक्षा बल और असम राइफल्स अलर्ट

गृह मंत्रालय ने बांग्लादेश और म्यांमार से लगने वाली भारतीय सीमाओं की सुरक्षा करने वाले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और असम राइफल्स के महानिदेशकों को भी ये निर्देश जारी किए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के लिए कोई निश्चित समय सीमा नहीं थी, जिसके कारण कई बार दूसरे राज्यों से सत्यापन रिपोर्ट प्राप्त करने में महीनों लग जाते थे। नए निर्देशों के साथ इस प्रक्रिया को तेज और सुव्यवस्थित करने का प्रयास किया गया है।

### 6,500 संदिग्ध प्रवासियों को हिरासत में लिया

गृह मंत्रालय के निर्देशों के बाद कई राज्यों ने अवैध प्रवासियों की पहचान और हिरासत की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गुजरात में सूरत और अहमदाबाद में तलाशी अभियान चलाए गए, जिसमें लगभग 6,500 संदिग्ध प्रवासियों को हिरासत में लिया गया। राजस्थान ने भी हाल ही में 148 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को विशेष विमान से पश्चिम बंगाल भेजा, जहां से उन्हें उनके मूल देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।झारखंड ने भी अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों की पहचान और निर्वासन के लिए राज्यव्यापी अभियान शुरू किया है। गृह मंत्रालय ने इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिसमें जिला स्तर पर बायोमेट्रिक डेटा एकत्र करने और जांच की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

## वन रैंक, वन पेंशन, का लाभ अब हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों को भी मिलेगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अतिरिक्त और स्थायी न्यायाधीशों के बीच नहीं होना चाहिए अंतर

**हिसार (एजेंसी)।** नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सभी हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को पूरी और समान पेंशन देने का आदेश दिया है, चाहे उनकी नियुक्ति की तिथि या स्थायी या अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में स्थिति कुछ भी हो। सुप्रीम कोर्ट ने एनजीटी के न्यायाधीशों के साथ सभी जिला न्यायाधीशों के लिए समान सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों का भी निर्देश दिया है। एक रैंक, एक पेंशन के सिद्धांत का समर्थन करते हुए भारत के सीजेआई बी आर गवई ने कहा कि वेतन की तरह ही सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों में एकरूपता न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा और न्यायिक कार्यालय की गरिमा को बनाए रखने के लिए जरुरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि सभी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पूर्ण पेंशन के हकदार हैं, चाहे उनकी नियुक्ति की तिथि कुछ भी हो या वे बार से पदोन्नत हुए हों या जिला न्यायपालिका से पदोन्नत हुए हों। अतिरिक्त और स्थायी न्यायाधीशों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाना चाहिए। पीठ ने यह भी कह कि विधवाओं, विधुरों और अन्‍ आश्रितों के लिए ग्रेच्युटी औ पारिवारिक पेंशन जैसे लाभ सभ न्यायाधीशों के लिए समान होने चाहिए कोर्ट ने कहा हम मानते हैं कि सेवानिवृि के बाद टर्मिनल लाभों के लि न्यायाधीशों के बीच कोई भी भेदभा अनुच्छेद 14 का उल्लंघन होगा। इस प्रकार, हम सभी उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पूर्ण पेंशन के हकदा मानते हैं, चाहे वे कभी भी पद पर आ हों। हम यह भी मानते हैं कि अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त हु उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को भ पूर्ण पेंशन मिलेगी और न्यायाधीशों औ अतिरिक्त न्यायाधीशों के बीच कोई भ भेदभाव हिंसा को बढ़ावा देगा।

सीजेआई गवई की अगुवाई वाल पीठ ने केंद्र सरकार को उच्च न्यायाल के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों को 15 लाख रुपए प्रति साल और सेवानिवृ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों क 13.5 लाख रुपए प्रति वर्ष की पूर्ण पेंश देने का निर्देश दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

**नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है।**

(लेखक - ललित गर्ग)

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं । देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए । विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है।

जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विस्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए। अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है।

नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर वाणी असंयम एवं बिगड़े बोल में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी 'भारत विरोधी शक्तियां' एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता एवं लोकतांत्रित मूल्यों के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। उन्हें नेताओं के बिगड़े बोलों से ऊर्जा मिलती है। सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं का भविष्य भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर देश एवं दुनिया की नजरे टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे।

卐राजनीतिक सिस्टम卐 की रोग मुक्ति, स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं राजनीतिक चरित्र निर्माण के लिए नेताओं एवं उनके दलों को आचार संहिता से बांधना ही होगा। अब तो ऐसा भी महसूस होने लगा है कि देश की दंड व्यवस्था के तहत जहां 'हेट स्पीच' या बिगड़े बोल को नये सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है वहीं इस समस्या से निपटने के लिए 'हेट स्पीच' एवं बिगड़े बोल को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया है?

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

## फुटपाथ का साथ

सड़क पर तेज रफ्तार दौड़ती कारों और अतिक्रमण की भेंट चढ़े फुटपाथों पर पैदल यात्रियों का चलना अब दुश्वार हो चला है। यही वजह है कि बुजुर्ग लोग सड़कों पर आने से डरते हैं और घरों तक सिमटकर रह जाते हैं। वे फुटपाथ न होने के कारण सड़कों पर चलते हैं और अनियंत्रित गति वाले वाहनों के शिकार हो जाते हैं। अदालत में दिए गए एक आंकड़े के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले करीब बीस फीसदी लोग पैदल यात्री होते हैं। इन हालात में दिव्यांग लोग कैसे सड़कों पर निकल सकते हैं, ये कल्पना से परे है। देश के करोड़ों मूक पैदल यात्रियों को आवाज देने के मकसद से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने सख्त लहजे में कहा कि फुटपाथ की सुविधा लोगों का संवैधानिक अधिकार है। पीठ ने केंद्र व राज्यों को कहा कि दो महीने में सुनिश्चत करें शहरों व गांवों में पैदल चलने वालों के लिये साफ, अतिक्रमण मुक्त और दिव्यांगों के अनुकूल फुटपाथ उपलब्ध हों। सभी सार्वजनिक सड़कों पर उपयुक्त फुटपाथ बनाना और उनसे अतिक्रमण हटाना अनिवार्य है। कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों से कहा कि वे बताएं पैदल यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उसके पास क्या नीति है। कोर्ट ने दो महीने में रिपोर्ट देने को कहा है। शीर्ष अदालत ने मुंबई हाईकोर्ट की ओर से पहले से जारी दिशा-निर्देशों को आदर्श मानते हुए अन्य राज्यों से इसे अपनाने को कहा। दरअसल, कोर्ट भी इस बात से सहमत दिखा कि जब फुटपाथ नहीं होते तो गरीब, बुजुर्ग,बच्चे और दिव्यांगजन मजबूरी में सड़कों पर चलते हैं। वे भीड़भाड़ में हादसों का शिकार हो जाते हैं। अदालत ने कहा कि यह केवल यातायात का मुद्दा नहीं है,यह जीवन का अधिकार है। ये उन करोड़ों भारतीयों के लिए एक उम्मीद है जो जान जोखिम में डालकर सड़कों पर चलते हैं। अब हर कदम पर सुरक्षित और जीवन की अहमियत होनी चाहिए। निस्संदेह, देश में फुटपाथों की दुर्दशा, अतिक्रमण और दिव्यांगों की लाचारी किसी से छिपी नहीं है। अकेले वर्ष 2022 में 77 हजार पैदल यात्रियों के साथ हुई दुर्घटना में करीब 32,797 की मृत्यु हुई और 34 हजार गंभीर रूप से घायल हुए। निस्संदेह, कोर्ट ने पैदल चलने वाली करोड़ों की मूक बिरादरी को संवैधानिक आवाज देने देने की सार्थक पहल की है। विडंबना यह है कि देश की राजधानी दिल्ली में अस्सी फीसदी पैदल मार्गों पर रेहड़ी-पटरी वालों, दुकानदारों व गाड़ी वालों ने कब्जा कर रखा है। इस वर्ष हर माह करीब 48 पदयात्री सड़क दुर्घटना में मारे गए। यही वजह है कोर्ट ने फुटपाथ को संवैधानिक अधिकार बताते हुए इसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीशुदा बताया। जिसे केंद्र व राज्य सरकारों को पैदल यात्रियों के लिये इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन के लिए सिर्फ छह माह का समय दिया है।

# पहलगाम त्रासदी : नफरत की तेज़ होती आंधी

(लेखक - राम पुनियानी)

पहलगाम के पास बैसरन में 26 पर्यटकों की हत्या हाल के समय की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक है। बैसरन एक अत्यंत रमणीक स्थान है जहां सिर्फ घोड़े पर सवार होकर या ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर पैदल चलकर पहुंचा जा सकता है। इस हत्याकांड से सारा देश गहन शोक में डूब गया। यद्यपि आतंकवादियों ने पर्यटकों की हत्या उनके धर्म की पहचान करके की थी, लेकिन हमले का शिकार होने वालों में एक स्थानीय मुसलमान घोड़े वाला, जो पर्यटकों के साथ आया था, भी था। वह तब मारा गया जब उसने आतंकियों का विरोध किया। कश्मीरी कुलियों ने पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया और कश्मीरियों ने अपने घरों और मस्जिदों के दरवाजे मेहमानों के लिए खोल दिए। कश्मीर में बंद का आयोजन किया गया और 'हिंदू मुस्लिम एकता' का संदेश देने वाले कई जुलूस निकाले गए। सारे देश में मुसलमानों और अन्यों ने मोमबत्ती जुलूस निकाले और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। लगभग इन्हीं तारीखों में मोदीजी की कश्मीर यात्रा तय की गई थी। लेकिन निर्धारित तिथि के कुछ ही दिन पहले उसे रद्द कर दिया गया। घटना के समय वे सऊदी अरब में थे। घटना के बाद वे अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर स्वदेश रवाना हो गए। किंतु वापिस अपने के बाद कश्मीर जाने के बजाए वे एक चुनावी रैली में भाग लेने के लिए बिहार चले गए जहां उन्होंने आतंकियों को अंग्रेजी में कड़ी चेतावनी दी। आतंकी मुसलमान थे और मारे गए लोग हिंदू थे। इसे दबे-छिपे ढंग से इस घटना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू बना दिया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की। मोदीजी ने इस बारे में कुछ अलग बात कही। इस बीच गोदी मीडिया की बन आई और उसने नफरत फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वे अपने शानदार आरामदायक स्टूडियो में बैठे-बैठे पाकिस्तान के विभिन्न शहरों पर भारतीय सेना का कब्जा होने की खबरें देते रहे। गोदी मीडिया अपने निम्नतम स्तर पर पहुंच गया और उसने पत्रकारिता की आचार संहिता के उल्लंघन का नया रिकार्ड कायम किया, जिसे वह बहुत पहले ताक पर रख चुका है।

इस सबका सबसे बुरा नतीजा मुसलमानों के प्रति नफरत में बढ़ोत्तरी के रूप में सामने आया। सारा देश इस्लामोफोबिया के सैलाब में डूब गया और इसकी तीव्रता और स्तर अकल्पनीय ऊंचाई तक पहुंच गए। लातूर में एक मुसलमान पर पाकिस्तानी होने का लेबिल चस्पा कर उसकी बुरी तरह पिटाई गई। उसे इतना अपमान महसूस हुआ कि उसने आत्महत्या कर ली। उत्तराखंड के एक हॉस्टल में कश्मीरी छात्रों को आधी रात को बाहर निकाल दिया गया और उन्हें देहरादून विमानतल के बाहर रात बितानी पड़ी। सबसे बुरी हरकत मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह ने की। उन्होंने भारतीय सेना की प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी को 'आतंकवादियों की बहन' बताया। बाद में बात संभालने के लिए उन्होंने माफी मांग ली। सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी एंड सेक्यूलरिज्म, मुंबई की मिथिला राऊत ने दैनिक लोकसत्ता (मराठी) में प्रकाशित अपने एक लेख में विभिन्न समाचारपत्रों में छपी खबरों के आधार पर मुसलमानों के खिलाफ हुई नफरत-जनित हरकतों की जानकारी प्रस्तुत की है। उनके लेख के मुताबिक पहलगाम हमले के बाद कई मुस्लिम विरोधी घटनाएं हुईं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं में से एक उत्तरप्रदेश के शामली के ढोडा गांव में हुई जहां गोविंद ने सरफराज पर हमला किया। गोविंद ने कहा कि तुमने हमारे 26 मारे हम भी तुम्हारे 26 मारेंगे! पंजाब के डेरा बस्सी में यूनिवर्सल समूह के छात्रावास में कश्मीरी छात्रों पर हमला किया गया। मसूरी में रहने वाले शब्बीर धर नाम के एक कश्मीरी, जो शाल बेचते थे, और उनके सहायक पर हमला किया गया और उन्हें पहलगाम की हत्याओं का कुसूरवार बताते हुए धमकाया गया कि यदि वे दुबारा वहां नजर आए तो बहुत बुरा होगा। हरियाणा के रोहतक नाम के गांव में मुस्लिम निवासियों को धमकाया गया और उनसे 2 मई तक गांव छोड़ देने के लिए कहा गया।

ये तो केवल कुछ घटनाएं हैं जिनका विवरण समाचारपत्रों से पता लगा है। लेकिन इनसे यह साफ जाहिर है कि नफरत किस हद तक बढ़ गई है। समाज में माहौल धीरे-धीरे खराब हो रहा है। हिंदू दक्षिणपंथियों ने पहले से ही मुस्लिम विरोधी वातावरण बनाया हुआ है। शुरूआत में आरएसएस शाखाओं में मध्यकालीन इतिहास को तोड़-मरोड़ कर मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाई गयी। हाल के कुछ सालों में गोदी मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए मुसलमानों की शत्रु की छवि बनाई गई। इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान के निर्माण से साम्प्रदायिक राजनीति करने वालों को एक नया हथियार मिल गया और उन्होंने यह कहना शुरू कर दिया कि पाकिस्तान बनने के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं। यह पूरी तरह से इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने वाली बात थी क्योंकि पाकिस्तान के निर्माण की तीन वजहें थीं - अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति, मुस्लिम साम्प्रदायिकता और हिन्दू साम्प्रदायिकता। द्विराष्ट्र सिद्धांत सबसे पहले हिन्दुत्ववादी विचारक विनायक दामोदर सावरकर ने पेश किया था।

पाकिस्तान बनने के बाद यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तान के निर्माण के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं, नफरत फैलाने का एक नया औजार बन गया। हकीकत यह है कि दो देश, भारत और पाकिस्तान एक साथ बने थे। मुस्लिम बहुल इलाके पाकिस्तान का हिस्सा बने। मुस्लिम-विरोधी प्रोपेगेंडा का एक नया मुद्दा बन गया कश्मीर का पेंचीदा मामला। 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के कश्मीर से पलायन का इस्तेमाल भी मुसलमानों खिलाफ किया गया। जब यह पलायन हुआ था तब भाजपा समर्थित वी। पी। सिंह सरकार केन्द्र में सत्ता में थी और भाजपा की विचारधारा वाले जगमोहन कश्मीर के राज्यपाल थे। इन सभी तथ्यों को नजरअंदाज करते हुए मुसलमानों को पंडितों के पलायन की मुख्य वजह बताते हुए उनके प्रति घृणा को और बढ़ाया गया। इस तरह एक के बाद एक कई मसलों का इस्तेमाल भारतीय मुसलमानों को सताने के लिए किया गया। इन दिनों भाईचारे की बातें बहुत कम सुनायी पढ़ती हैं और हर घटना का इस्तेमाल मुसलमानों के प्रति पहले व्याप्त नफरत को और बढ़ाने के लिए किया जाता है।

(चिंतन-मनन)

# अकर्मण्य न बनें

एक कहानी है। एक राजा था। उसे मंत्री की नियुक्ति करनी थी। वह नियुक्ति से पूर्व परीक्षा करना चाहता था। पांच-सात व्यक्ति आए। उसने सबको एक कमरे में बिठाकर कहा, आप सब यहां बैठें। मैं कमरे के बाहर ताला लगा देता हूं। जो भी ताले को खोलकर बाहर निकल आएगा, उसे मंत्री बनाऊंगा।

सबने सुना-सोचा- कितनी विचित्र परीक्षा। दरवाजा बंद। बाहर से ताला बंद और भीतर वालों से कहे कि बाहर आओ। यह असंभव है। छह व्यक्तियों ने सोचा, राजा पागल हो गया है। यह भी कोई परीक्षा होती है! दूसरे प्रकार से भी परीक्षा ली जा सकती थी। बाहर जाना कैसे संभव हो सकता है? वे हाथ पर हाथ रख बैठे रहे। कुछ पराप्रम नहीं किया। सातवां व्यक्ति अकर्मण्य नहीं था, पुरूषार्थी था। उसने सोचा, जरूर इस शर्त में कोई रहस्य है। राजा ऍसी शर्त क्यों रखता? मुझे अपना पुरूषार्थ करना है। वह उठा। दरवाजे के पास गया। उसे जोर से ढकेला, वह खुल गया। उसने बाहर आकर राजा का अभिवादन किया। दरवाजे पर कोई ताला लगाया ही नहीं था, केवल सबको भुलावे में रखा था।

राजा जानना चाहता था कि कौन कर्मण्य है और कौन अकर्मण्य। उन्होंने सोचा, जब बाहर ताला है तब दरवाजा कैसे खुलेगा? इसी भ्रम ने उन्हें अकर्मण्य बना डाला। वे बाजी हार गए। जिसने पुरूषार्थ किया, कर्मण्यता का परिचय दिया, वह जीत गया। वह मंत्री बन गया। साधना का क्षेत्र निर्विघ्न नहीं है। उसमें अनेक भुलावे हैं। उन भुलावों से साधक यदि अकर्मण्य बन साधना को भुला देता है तो साधना से भटक जाता है।

विचार मंथन

# गृह मंत्रालय ने तय की थी 3 माह की समय सीमा

(लेखक- सनत जैन )

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा तमिलनाडु सरकार की याचिका पर दिए गये फैसले के बाद एक महत्वपूर्ण संवैधानिक बहस शुरू हो गई है। यह बहस राष्ट्रपति या राज्यपालों द्वारा विधेयक की समय सीमा तक सीमित नहीं रह गई है। जिस तरह से राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से 14 बिंदुओं पर सलाह मांगी है। उसके बाद नई-नई बातें निकलकर सामने आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने जो आदेश दिया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय परिपत्र कई वर्ष पूर्व जारी कर चुका है। जिसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यपालों को निर्देश भेजे थे। तीन माह की समयावधि के अंदर विधेयक पर अंतिम फैसला लेने के लिए निर्देशित किया गया था। केंद्र सरकार के प्रशासनिक निर्देशों की समय सीमा का हवाला सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016 में यह सीमा तय की गई थी। इस गाइडलाइन के अनुसार, राष्ट्रपति और राज्यपालों को राज्यों से आने वाले विधेयकों पर अधिकतम तीन महीने के अन्दर निर्णय लेने थे। कई राज्यों के राज्यपाल यहां तक की राष्ट्रपति कार्यालय में लंबे समय से विधेयक लंबित पड़े थे। सहमति हो, असहमति हो या विधेयक को पुनर्विचार हेतु सरकार को लौटाना हो। यह व्यवस्था गृह मंत्रालय द्वारा सुनिश्चित की गई थी। ताकि राज्यों की विधानसभा से पारित विधेयकों को अनिश्चितकाल तक लंबित न रखा जा सके। यह प्रशासनिक सुधार और संघीय ढांचे के संतुलन बनाए रखने के लिए दिया गया था। विडंबना यह है, जब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की बनाई इस गाइडलाइन का हवाला देते हुए राष्ट्रपति और राज्यपालों के निर्णयों पर समय सीमा तय करते हुए निर्णय दिया है। सुप्रीम कोर्ट इसके पहले भी कई बार राज्यपालों को निर्देश दे चुकी थी। जिसका पालन राज्यपालों द्वारा नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद सरकार की असहजता झलकने लगी। दिल्ली, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र, केरल, पंजाब जहां-जहां विपक्षी दलों की सरकारें थी। वहां के राज्यपाल चुनी हुई सरकारों के विधानसभा से पारित विधेयकों को कई महीनो और वर्षों तक रोककर रखे हुए थे। ऑपरेशन लोटस और ईडी की कार्यवाही कर विपक्षी दलों को तोड़ने-फोड़ने का काम राज्यपालों के माध्यम से हो रहा था। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद केंद्र सरकार और भाजपा के लिए इस तरह का दबाव बनाना संभव नहीं होगा। जिसके कारण केन्द्र सरकार और भाजपा नेताओं में बड़ी बेचैनी देखने को मिल रही है। इस बेचैनी को इस रूप में समझा जा सकता है, केंद्रीय सरकार ने राष्ट्रपति के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट से सीधे सवाल पूछकर अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास की यह एक दुर्लभ घटना है। यह स्थिति सरकार के दोहरे चरित्र को उजागर करती है। एक तरफ केंद्र स्वयं नियम बनाता है। दूसरी ओर उन्हीं नियमों से बचने की कोशिश करता है। राजनीतिक रूप से अपने फायदे के लिए केंद्र सरकार अपने ही बनाए नियमों का मन माफिक नतीजा निकल लेती है। केंद्र सरकार की यह प्रवृत्ति शासन की पारदर्शिता तथा संविधान के संघीय ढांचे पर प्रश्नचिह्न लगाती है। संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यों के अधिकारो का केंद्र सरकार दमन करती है। जिस विवाद को केंद्र सरकार ने जन्म दिया है। उसके बाद 8 राज्यों के विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों ने भी मोर्चा खोल दिया है। जिसके कारण बड़ा नुकसान संविधान को होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर केंद्र सरकार को आत्ममंथन करना चाहिए था। केन्द्र सरकार अपनी ही नीतियों का सम्मान क्यों नहीं करना चाहता है। यदि संवैधानिक संस्थाएं और संवैधानिक पद राजनीतिक और व्यक्तिगत हितों की पूर्ति के माध्यम बन जाएंगे, तो लोकतंत्र को किस तरह से सुरक्षित रखा जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस बार साफ संदेश दिया है।संविधान सर्वोच्च है, कोई भी व्यक्ति या संस्था संविधान से बड़ी नहीं है। केंद्र को चाहिए कि वह संविधान और केन्द्र तथा राज्य सरकारों के बनाए कानूनों और नियमों का ईमानदारी से पालन करे। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों के लाभ हानि से जोड़कर, तोड़ने और मड़ोरने का प्रयास न करें। भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा विष्णु और महेश के रूप में तीनों शक्तियां अपने-अपने दायित्व को पूरा करती हैं। कर्म फल और प्रकृति के सिद्धांतों को ब्रह्मा, विष्णु और महेश को भी मानना पड़ता है। कोई भी एक दूसरे के क्षेत्र में जाकर अतिक्रमण नहीं करते हैं। कर्मफल के आधार पर ब्रम्हांड का संचालन होता है।

## एल्युमीनियम मामूली तेजी के साथ 239 रुपये किलो

**नई दिल्ली।** हाजिर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच सटोरियों के ताजा सौदे करने से सोमवार को वायदा बाजार में एल्युमीनियम की कीमतें 1.25 रुपये की मामूली तेजी के साथ 239.10 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून डिलीवरी वाले एल्युमीनियम अनुबंध की कीमत 1.25 रुपये अथवा 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 239.10 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। इसमें 2,154 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि उपभोक्ता उद्योगों की मांग के बीच कारोबारियों के ताजा सौदे करने से वायदा बाजार में एल्युमीनियम कीमतों को समर्थन मिला।

## रिलायंस पावर ने भूटान के साथ किया बिजली खरीद समझौता

**नई दिल्ली।** रिलायंस पावर ने ग्रीन डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड के साथ दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। भूटान की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना में 50-50 प्रतिशत हिस्सेदारी वाला संयुक्त उद्यम खोला जाएगा7 इस परियोजना में 500 मेगावाट की क्षमता होगी और इसके लिए 2,000 करोड़ रुपये तक का पूंजीगत व्यय किया जाएगा। इस समझौते से भूटान के सौर ऊर्जा क्षेत्र में नए एफडीआई परियोजना के निवेश के रूप में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कंपनी ने इसे क्षेत्रीय स्वच्छ ऊर्जा एकीकरण और भारत-भूटान सीमा पार ऊर्जा विनियमन में मददगार माना है।

## मैजिकनाउ 2025-26 में खाद्य वितरण कारोबार में 20 प्रतिशत योगदान देगा

**नई दिल्ली।** स्थानीय स्तर पर ई-कॉमर्स सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी मैजिकपिन को उम्मीद है कि उसकी त्वरित वाणिज्य शाखा मैजिकनाउ चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल खाद्य वितरण कारोबार में 20 प्रतिशत का योगदान देगी। मैजिकपिन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि मैजिकनाउ की शुरुआत सितंबर 2024 में हुई थी और कंपनी के कुल खाद्य वितरण कारोबार में उसकी 13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा` कि मैजिकनाउ 15 मिनट में सामान पहुंचाने वाली सेवा पहले ही हमारे कुल खाद्य वितरण कारोबार में 13 प्रतिशत का योगदान दे रही है। हम इसे चालू वित्त वर्ष के अंत तक 20 प्रतिशत तक बढ़ाने की राह पर हैं। मैजिकपिन ने मैजिकनाउ सेवाओं का विस्तार छह महानगरों से 20 घनी आबादी वाले शहरों तक किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी को मैजिकनाउ के लिए उपभोक्ताओं और रेस्तरां भागीदारों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली है।

## भारत ने मालदीव के साथ 13 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

### 10 करोड़ मालदीव रुपये के अनुदान से बढ़ेगी नौका सेवाएं

**माले।** भारत ने मालदीव के साथ 13 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन समझौता ज्ञापनों में समुद्री संपर्क बढ़ाने, सामुदायिक आजीविका को मजबूत करने वाली परियोजनाएं शामिल हैं। इन ज्ञापनों में भारतीय अनुदान सहायता योजना- उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजना (एचआईसीडीपी) के तहत लागू होने वाली 13 परियोजनाओं की कुल अनुदान राशि 10 करोड़ मालदीव रुपये है। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह समझौता हर क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर है और दोनों देशों के बीच सहयोग को और भी मजबूत करेगा। मालदीव में भारतीय उच्चायोग ने इस समझौते को एचआईसीडीपी 3 के तहत मालदीव की नौका सेवाएं बढ़ाने के लिए एक कदम बताया। मालदीव सरकार के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील और भारत के उच्चायुक्त बालासुब्रमण्यम ने इन समझौता गुप्त ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता मालदीव और भारत के बीच समृद्धि और सशक्तिकरण के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे नौका सेवाएं और समुद्री संपर्क मजबूत होंगे और साथ ही सामुदायिक आजीविका में भी सुधार आएगा।

# एमजी मोटर इंडिया ने बिक्री में बनाया एक नया रिकार्ड

**नई दिल्ली।**

अप्रैल महीने में एमजी मोटर इंडिया ने इस साल की अपनी सबसे बड़ी बिक्री दर्ज कर नया रिकॉर्ड कायम किया है। एमजी के पोर्टफोलियो में इलेक्ट्रिक कारों की संख्या आईसीई (इंटरनल कॉम्बस्टन इंजन) वाहनों से कहीं अधिक है, और कंपनी की विंडसर ईवी देश की सबसे लोकप्रिय इलेक्ट्रिक कार बनी हुई है। कंपनी ने पिछले महीने कुल 5,829 कारें बेचीं, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रमुख हिस्सा रहा। हाल ही में एमजी ने विंडसर ईवी का प्रो वर्जन भी लॉन्च किया है, जो बड़ा बैटरी पैक और लंबी रेंज के साथ आता है। अप्रैल में भी विंडसर सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। इस साल के पहले चार महीनों में स्ल्न मोटर की सेल्स में विंडसर ईवी की मांग खास रही। जनवरी में 3,277 यूनिट, फरवरी में 2,431, मार्च में 3,641 और अप्रैल में 3,660 विंडसर ईवी बिक चुकी हैं। इसके अलावा, हेक्टर एसयूवी की बिक्री भी लगातार बढ़ रही है जनवरी में 449, फरवरी में 515, मार्च में 547 और अप्रैल में 977 यूनिट्स बिकीं। झेडएस ईवी की मांग भी बढ़ी है, जनवरी में 265 यूनिट से लेकर अप्रैल में 864 यूनिट तक पहुंच गई है। एमजी की अन्य कारों में कॉमेट ईवी, एस्टर और ग्लॉस्टर की बिक्री में उतार-चढ़ाव दिखा। कुल मिलाकर, जनवरी में 4,455, फरवरी में 4,002, मार्च में 5,501 और अप्रैल में 5,829 गाड़ियां बिकीं। हाल ही में कॉमेट ईवी के बेस मॉडल एक्सीक्यूटिव की कीमत में 35,700 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

## आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के बोर्ड में वारबर्ग की शाखा शामिल करने का प्रस्ताव खारिज

**नई दिल्ली।**

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयरधारकों ने वैश्विक निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिंकस की शाखा को बैंक के बोर्ड में शामिल करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। पिछले महीने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के बोर्ड ने निवेशक वारबर्ग पिंकस एलएलसी की सहयोगी कंपनी करंट सी इन्वेस्टमेंट्स बीवी को लगभग 4,876 करोड़ रुपये के तरजीही इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दी थी। इसके तहत करंट सी इन्वेस्टमेंट्स को बैंक के बोर्ड में एक गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया था। बैंक ने इसके लिए डाक मतपत्र के जरिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी थी। शेयर बाजार को सोमवार को दी जानकारी के मुताबिक डाक मतपत्र की गिनती में पता चला कि केवल 64.10 प्रतिशत मत प्रस्ताव के पक्ष में थे, जबकि 35.90 प्रतिशत इसके खिलाफ थे। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने कहा` कि विशेष प्रस्ताव अपेक्षित बहुमत नहीं होने के कारण पारित नहीं हुआ। कंपनी कानून के तहत, यदि प्रस्ताव के पक्ष में कम से कम 75 प्रतिशत वोट मिलते हैं, तो विशेष प्रस्ताव पारित हो जाता है।


## आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के बोर्ड में वारबर्ग की शाखा शामिल करने का प्रस्ताव खारिज

**नई दिल्ली।**

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयरधारकों ने वैश्विक निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिंकस की शाखा को बैंक के बोर्ड में शामिल करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। पिछले महीने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के बोर्ड ने निवेशक वारबर्ग पिंकस एलएलसी की सहयोगी कंपनी करंट सी इन्वेस्टमेंट्स बीवी को लगभग 4,876 करोड़ रुपये के तरजीही इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दी थी। इसके तहत करंट सी इन्वेस्टमेंट्स को बैंक के बोर्ड में एक गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया था। बैंक ने इसके लिए डाक मतपत्र के जरिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी थी। शेयर बाजार को सोमवार को दी जानकारी के मुताबिक डाक मतपत्र की गिनती में पता चला कि केवल 64.10 प्रतिशत मत प्रस्ताव के पक्ष में थे, जबकि 35.90 प्रतिशत इसके खिलाफ थे। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने कहा` कि विशेष प्रस्ताव अपेक्षित बहुमत नहीं होने के कारण पारित नहीं हुआ। कंपनी कानून के तहत, यदि प्रस्ताव के पक्ष में कम से कम 75 प्रतिशत वोट मिलते हैं, तो विशेष प्रस्ताव पारित हो जाता है।


# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**मुम्बई।**

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी स्टॉक्स में बिकवाली से भी बाजार पर दबाव पड़ा। बैंकिंग शेयरों में बढ़त से हालांकि बाजार में गिरावट पर अंकुश लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 271.17 अंक करीब 0.33फीसदी की गिरावट लेकर 82,059.42 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी कारोबार के अंत में 95 अंक तकरीबन 0.30 फीसदी नीचे आकर 24,944.85 पर बंद हुआ। इससे पहले शुक्रवार को भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान निफ्टी रियल्टी और पीएसयू बैंक इंडेक्स सेक्टोरल इंडेक्सिस में सबसे अधिक तेजी रही। ये 2.25 फीसदी और 1.50 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं अन्य सेक्टोरल इंडेक्सिस में बैंक निफ्टी, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल, फार्मा और हेल्थकेयर लाभ के साथ बंद हुए। वहीं आईटी, एफएमसीजी, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस में गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा 1.37 फिसदी की गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एटरनल (जोमैटो) में सबसे ज्यादा 3 फीसदी गिरावट दर्ज की गयी। इन्फोसिस में 1.95 फीसदी, टीसीएस में 1.20 फीसदी, टेक महिंद्रा में 1.19 फीसदी और एशियन पेंट्स पर 0.98 फीसदी की गिरावट आई। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से केवल 9 शेयर गिरावट पर बंद हुए। पावर ग्रिड का शेयर सबसे ज्यादा 1.27 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

इसके अलावा बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, सीटेट बैंक ऑफ इंडिया और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी उछले हैं। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सोमवार रही। निक्केई में 0.45 फीसदी की गिरावट जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स नेगेटिव आउटलुक के साथ स्थिर रहा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.47 फीसदी की गिरावट आई और एएसएक्स 200 में 0.37 फीसदी की गिरावट आई।वॉल स्ट्रीट पर शुक्रवार को बाजार मिले-जुले रहे। हालांकि एसएंडपी 500 ने लगातार पांचवीं बढ़त दर्ज की और साप्ताहिक प्रदर्शन मजबूत रहा। ब्रॉड-मार्केट इंडेक्स 0.70 फीसदी बढ़कर 5,958.38 पर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.52 फीसदी बढ़कर 19,211.10 पर पहुंच गया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 331.99 अंक या 0.78 फीसदी बढ़कर 42,654.74 पर पहुंच गया। इससे ब्लू-चिप इंडेक्स साल के लिए पॉजिटिव क्षेत्र में पहुंच गया।

इससे पहले आज सुबह बाजार ` गिरावट के साथ खुले।सेंसेक्स प्री-ओपन में मजबूती के बाद लाल निशान में खुला। सेंसेक्स 115 अंक की गिरावट लेकर 82,215 पर खुला। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 लगभग सपाट नोट पर 25 हजार के लेवल के ऊपर खुला।

# 1 जून 2025 से कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड्स की मौज होगी खत्म

**मुंबई।**

1 जून 2025 से कोटक महिंद्रा बैंक अपने कई क्रेडिट कार्ड्स की शर्तों और रिवॉर्ड स्ट्रक्चर में बड़े बदलाव करने जा रहा है, जिसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर होगा। खासकर रिवॉर्ड पॉइंट्स, शुल्क और ट्रांजेक्शन सीमाओं को लेकर किए गए बदलावों से कार्डधारकों को अब पहले से कम लाभ मिलेगा। प्रिवी लीग सिग्नेचर कार्ड रखने वालों को यूटिलिटी बिल, शिक्षा, इंश्योरेंस, वॉलेट लोड, सरकारी भुगतान और ऑनलाइन गेमिंग जैसी श्रेणियों में तय सीमा पार करने पर रिवॉर्ड नहीं मिलेगा। साथ ही, फ्यूल और किराया भुगतान जैसे खर्चों पर किसी भी सीमा में रिवॉर्ड नहीं मिलेगा। मोजो प्लेटिनम, जेन सिग्नेचर, कोटक 811 जैसे अन्य कार्ड्स पर भी रिवॉर्ड लिमिट कम की गई है। वहीं डिलाइट, फॉर्च्यून और 6ई रिवार्ड कार्ड्स पर उपरोक्त श्रेणियों में पूरी तरह से रिवॉर्ड बंद किए गए हैं। इसके साथ ही रिवॉर्ड पॉइंट्स की वैल्यू भी घटा दी गई है।

बैंक ने ट्रांजैक्शन चार्ज में भी नया बोझ जोड़ा है। अब किराया और शिक्षा के किसी भी भुगतान पर 1 प्रतिशत शुल्क लगेगा। यूटिलिटी, फ्यूल, वॉलेट लोड और गेमिंग जैसे खर्चों पर भी तय लिमिट पार करने पर अतिरिक्त चार्ज वसूला जाएगा। उदाहरण के लिए प्रिवी लीग कार्ड पर 75,000 से अधिक के यूटिलिटी बिल या 50,000 से ज्यादा के फ्यूल खर्च पर 1 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इसी तरह कोटक 811 कार्ड पर यूटिलिटी की सीमा 35,000 और फ्यूल की 25,000 तय की गई है। फ्यूल

सरचार्ज छूट की लिमिट को भी सीमित किया गया है। साथ ही कुछ कार्ड्स पर ब्याज दरें भी बढ़ा दी गई हैं, जो अब 3.75 प्रतिशत प्रतिमाह तक पहुंच चुकी हैं। स्थायी भुगतान निर्देश की विफलता पर अब न्यूनतम 450 और अधिकतम 5,000 तक का चार्ज लगेगा। यह बदलाव ग्राहकों के लिए काफी महंगा साबित हो सकता है।

## भारत ने रिकॉर्ड 24 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया

### भारत ने अकेले अमेरिका को 10.6 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया

**नई दिल्ली।** भारत ने वित्त वर्ष 2025 में स्मार्टफोन निर्यात में एक नई उपले ब्धि हो सिल की है। देश ने रिकॉर्ड 24.14 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया है, जो पिछले वर्ष के स्मार्टफोन निर्यात के 55 फीसदी ज्यादा है। भारतीय मेड इन इंडिया स्मार्टफोन की मांग अमेरिका, नीदरलैंड, इटली, जापान और चेक गणराज्य में बढ़ी है। भारत ने अकेले अमेरिका को 10.6 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया है। इस उछाल के साथ, भारतीय स्मार्टफोन निर्यात ने पेट्रोलियम उत्पादों और हीरे के निर्यात मूल्य को भी पार कर दिया है। भारत ने अपनी व्यवसायिक नुकसान से चीन के उत्पादन मार्ग को भी स्वीकार करते हुए, ऐप्पल जैसी दिग्गज कंपनियों को अपने मैन्युफैक्चरिंग बेस को भारत में शिफ्ट करने का मौका दिया है। यह नया उत्कृष्टता का पहलू दिखाता है जो भारत को एक मान्यता प्राप्त निर्यात नेतृत्व प्राप्त कराने के लिए तैयार कर रहा है। मेड इन इंडिया स्मार्टफोन अब दुनिया भर में अपनी नई प्रतिष्ठा बना रहे हैं। वित्त वर्ष 2025 में भारतीय स्मार्टफोन्स का निर्यात भारी समृद्धि प्राप्त कर रहा है, जो स्मार्टफोन उत्पादन में सारे देशों के बीच स्थान बदल देगा।

## एप्पल के आईओएस 19 में उन्नत बैटरी ऑप्टिमाइजेशन फीचर आएगा

**नई दिल्ली।**

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल अपने नए ऑपरेटिंग सिस्टम आईओएस 19 में एक उन्नत और स्मार्ट बैटरी ऑप्टिमाइजेशन तकनीक पेश करने जा रही है। यह स्मार्ट बैटरी आईफोन यूजर्स के लिए बैटरी प्रबंधन को काफी बेहतर बनाएगी। यह फीचर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित होगा और यूजर की फोन उपयोग की आदतों को समझकर पावर की खपत को अधिक कुशलता से नियंत्रित करेगा। इसके साथ ही यह फोन की बैटरी कितनी जल्दी फुल चार्ज होगी, इसका भी अनुमान यूजर को देगा। पहले यह माना जा रहा था कि यह एआई आधारित फीचर केवल आने वालेआईफोन 17 मॉडल तक सीमित रहेगा, लेकिन अब यह जानकारी मिली है कि आईओएस 19 अपडेट के माध्यम से यह सभी समर्थित आईफोन में उपलब्ध होगा।आईफोन17 की खासियत यह भी बताई जा रही है कि यह अब तक का सबसे पतला आईफोन होगा और इसकी बैटरी साइज भी कम हो सकती है, इसलिए बेहतर बैटरी मैनेजमेंट फीचर की जरूरत और बढ़ जाती है।

यह नया फीचर यूजर के ऐप उपयोग के पैटर्न को ट्रैक करेगा और यह बताएगा कि कौन-से ऐप सबसे ज्यादा एनर्जी इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, लॉक स्क्रीन पर फोन के पूरी तरह चार्ज होने में लगने वाले समय की जानकारी भी दिखेगी। रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल जून में अपने वार्षिक डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी इवेंट में आईओएस 19 लॉन्च कर सकता है, जबकि आम यूजर्स को यह अपडेट सितंबर से मिलना शुरू हो जाएगा। आईओएस 19 के साथ कई अन्य नए टूल्स और फीचर्स भी आएंगे, जो आईफोन उपयोगकर्ता के अनुभव को और बेहतर बनाएंगे।

## मारुति सुजुकी डिजायर अब मिलेगी साउथ अफ्रीका में

**नई दिल्ली।**

मारुति सुजुकी डिजायर अब साउथ अफ्रीका के बाजार में भी उपलब्ध हो गई है। खास बात यह है कि साउथ अफ्रीका में यह कार ऑटोमैटिक सीवीटी ट्रांसमिशन के साथ आती है, जो भारत में उपलब्ध नहीं है।

भारत में डिजायर को 5-स्पीड एएमटी ऑटोमैटिक विकल्प के साथ पेश किया जाता है, जबकि वहां इसे 5-स्पीड मैनुअल और सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स में मिलती है।

डिजाइन की बात करें तो दोनों संस्करणों में कोई बड़ा अंतर नहीं है, लेकिन साउथ अफ्रीका में मिलने वाले मॉडल में एलईडी हेडलाइट्स नहीं हैं। वहीं, ड्यूल-टोन 15-इंच अलॉय व्हील्स दिए गए हैं, जो भारतीय मॉडल के साधारण सिल्वर अलॉय से बेहतर नजर आते हैं। इंटीरियर में भी ज्यादातर समानता है, लेकिन डैशबोर्ड के बीच में सिल्वर स्ट्रिप नहीं है। इसके अलावा, इस मॉडल में 7-इंच का बेसिक इंफोटेनमेंट सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा, वायरलेस फोन चार्जर, पुश स्टार्ट बटन जैसे फीचर्स मौजूद हैं, लेकिन सिंगल पैनल इलेक्ट्रिक सनरूफ जैसे कुछ खास फीचर्स नहीं हैं।

साउथ अफ्रीका में इस कार को 1.2-लीटर 3-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ लॉन्च किया गया है, जो 81 बीएचपी और 112 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है।

कुल मिलाकर, डिजायर का यह नया संस्करण ग्लोबल मार्केट में अपनी जगह बनाने को तैयार है। सुरक्षा के लिहाज से डिजायर में 6 एयरबैग्स, रियर पार्किंग सेंसर्स, रियर व्यू कैमरा, एबीएस के साथ ईबीडी और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स शामिल हैं।

## एसयूवी बोलेरो और बोलेरो नियो का नया बोल्ड एडिशन पेश

**नई दिल्ली।**

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एसयूवी बोलेरो और बोलेरो नियो का नया बोल्ड एडिशन पेश किया है। कंपनी ने आधिकारिक सोशल मीडिया पर दोनों मॉडलों के वीडियो भी जारी किए हैं, जिनमें बोलेरो को डायमंड व्हाइट रंग में दिखाया गया है, जिसके साइड और डोर पैनल पर तीन ग्राफिक्स हैं। लंबे समय से अपडेट न होने के बाद यह नए डिजाइन और स्टाइल एलिमेंट के साथ बाजार में उतारा गया है, जिससे दोनों गाड़ियों की रोड प्रजेंस बेहतर हुई है। फ्रंट ग्रिल ऑल-ब्लैक है जिसमें गन मेटल फिनिश के साथ वर्टिकल स्लैट हैं और महिंद्रा का क्रोम फिनिश वाला लोगो भी है। फ्रंट बंपर में मेटल फिनिश और पीले ग्राफिक्स के साथ ब्लैक पैनल में फॉग लैंप दिए गए हैं। बोलेरो के साइड बॉडी पैनल और डी-पिलर के आगे बोल्ड एडिशन बैज नजर आता है। रियर लैंप क्लियर लेंस वाले ट्विक्ड हैं। इंटीरियर में ज्यादा बदलाव नहीं किया गया है, ब्लूटूथ साउंड सिस्टम बना हुआ है। डिजिटल इंफॉर्मेशन क्लस्टर ड्राइवर को माइलेज, ट्रिप डिस्टेंस और ओपन डोर वॉर्निंग जैसी जानकारियां देता है। बोलेरो में 1493 सीसी डीजल इंजन है, जो 3600 आरपीएम पर 75 बीएचपी पावर और 1600-2200 आरपीएम पर 210 एनएम टॉर्क जनरेट करता है, जो 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से जुड़ा है। वहीं, बोलेरो नियो बोल्ड एडिशन में सिल्वर फिनिश मेश के साथ क्रोम-फिनिश फ्रंट ग्रिल, हनीकॉम्ब डिज़ाइन वाला फ्रंट बंपर और काले रंग के स्पेयर व्हील कवर व रियर एयर कंडीशनिंग वेंट शामिल हैं। इसमें 1.5-लीटर एमहॉक डीजल इंजन है, जो 3750 आरपीएम पर 98.5 बीएचपी और 1750-2250 आरपीएम पर 260 एनएम टॉर्क देता है। यह दोनों मॉडल महिंद्रा की एसयूवी रेंज को और मजबूत करेंगे।इसके केबिन में डार्क थीम, ऑल-ब्लैक अपहोल्स्ट्री, नेक पिलो और सीटबेल्ट कवर दिए गए हैं।

# भारतीय रिजर्व बैंक बढ़ा सकता है रिस्क बफर का दायरा

### वित्त वर्ष 25 में सरकार को रिकॉर्ड सरप्लस ट्रांसफर की उम्मीद

**नई दिल्ली।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय बोर्ड ने पिछले सप्ताह अपनी बैठक में आर्थिक पूंजी ढांचे (ईसीएफ) की समीक्षा के दौरान आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) का दायरा बढ़ाने के लिए सरकार से मंजूरी मांगी है। इस मामले से संबें धित जानकारी सूत्रों के मुतो बिक` मिली है। बिमल जालान समिति की सिफारिश के अनुसार मौजूदा बफर केंद्रीय बैंक के बहीखाते का 5.5 से 6.5 फीसदी है। रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को हस्तांतरित किया जाने वाला अधिशेष इस बात पर निर्भर करता है कि केंद्रीय बैंक कितना जोखिम बफर बनाए रखना चाहता है। जोखिम बफर अधिक होने का मतलब साफ है कि सरकार को हस्तांतरित की जाने वाली अधिशेष रकम कम होगी। इसी प्रकार जोखिम बफर कम रहने पर सरकार के लिए अधिशेष रकम अधिक होगी। एक सूत्र ने कहा` कि जालान समिति द्वारा सुझाए गए ढांचे ने पिछले पांच साल के दौरान काफी हद तक अच्छा काम किया है। इसका दायरा काफी महत्त्वपूर्ण है। मौजूदा चुनौतियों और उतार-चढ़ाव के मद्देनजर हम यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि बड़े दायरे के बारे में कैसे सोचा जा सकता है।' अगली बैठक 23 मई को होगी। उसमें खातों को अंतिम रूप दिया जाएगा और केंद्र की मंजूरी के बाद नई सीमा के आधार पर

हस्तांतरण योग्य अधिशेष पर निर्णय लिया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# आईपीएल में सीएसके और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला आज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईपीएल में मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें पहले ही इस टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं। ऐसे में ये मैच एक औपचारिकता भर है। दोनो ही टीमें इस मैच में जीत के साथ ही अंतिम स्थान पर आने से बचने का प्रयास करेंगी। ये मैच रॉयल्स का इस सत्र का अंतिम मैच है। टीम इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। विशेष रुप से उसके गेंदबाज विफल रहे। टीम को हालांकि 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के रूप में एक भविष्य का सितारा जरुर मिल गया। टीम के बल्लेबाजों के प्रयासों पर उसके कमजोर गेंदबाजों ने पारी फेर दिया।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अत्यधिक निर्भरता और मध्य क्रम का असफल होना भी टीम की हार का कारण रहा। विपक्षी टीम पर अंकुश लगाने वाले गेंदबाज की कमी भी टीम के लिए नुकसान देह रही।

रॉयल्स की टीम के बल्लेबाजी ने कुछ मैचों में तेज शुरुआत की पर उनके गेंदबाजों ने सहयोग नहीं किया। पंजाब किंग्स के खिलाफ उसने शुरुआती पांच ओवर में 70 से अधिक रन बनाए लेकिन टीम फिर भी मैच हार गई। ऐसे में टीम इस मैच को जीतकर अपने अभियान का समापन करना चाहेगी। वहीं दूसरी ओर सीएसके की टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल करने के प्रयोग में असफल रही है। इसी कारण उसे हार का सामना करना पड़ा है। प्रभावित हुआ है।

सुपरकिंग्स को राहुल त्रिपाठी और दीपक हुड्डा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें थीं पर दबाव की स्थिति में लगातार मैच जीतने वाला प्रदर्शन नहीं कर पाए। आयुष म्हात्रे, शेख रशीद और उर्विल पटेल जैसे युवा खिलाड़ियों को वह निखारने का प्रयास करेग। आयुष रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ शतक लगाने के करीब पहुंचे और सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियन्स के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन किया। उर्विल ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आक्रामक पारी खेली थी।

इस सत्र में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के टूर्नामेंट से बाहर होने से भी सीएसके को परेशानी हुई थी जिसके कारण महेन्द्र सिंह धोनी को कप्तानी संभालनी पड़ी। इस सत्र मडेवोन कॉनवे और रचिन रविंद्र जैसे विदेशी खिलाड़ियों का भी उसे लाभ नहीं मिला। टीम का लक्ष्य इस मैच में नई प्रतिभाओं को आजमाना रहेगा।

### दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**चेन्नई सुपरकिंग्स:** महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), शेख रशीद, आयुष म्हात्रे, दीपक हुडा, सैम कुरेन, रविंद्र जडेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना, अंशुल कंबोज, आर अश्विन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, जेमी ओवरटन, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, श्रेयस गोपाल, डेवोन कॉनवे, रचिन रविंद्र, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस, सी आंद्रे सिद्दार्थ और वंश बेदी।

**राजस्थान रॉयल्स:** संजू सैमसन (कप्तान), अशोक शर्मा, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, फजलहक फारूकी, वानिंदु हसरंगा, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, रियान पराग, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, कुणाल सिंह राठौड़, वैभव सूर्यवंशी, महेश तीक्षणा, युद्धवीर सिंह।

# एशिया कप नहीं खेलेगी भारतीय टीम, टूर्नामेंट का रद्द होना तय

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया कप खेल ने से इंकार कर दिया है। इससे भारत की मेजबानी में इस साल सितंबर में होने वाले इस पुरुष एशिया कप का आयोजन खतरे में पड़ गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई ने इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। बीसीसीआई ने पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी की अध्यक्षता वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) को बताया है कि वह जून में श्रीलंका में होने वाली महिला इमर्जिंग टीम एशिया कप और पुरुष एशिया कप 2025 से अपने नाम वापस ले रहा है।

इसका कारण पहलगाम आतंकी हमला और उसके बाद पाकिस्तान से सैन्य संघर्ष कारण तनाव बढ़ने को बताया गया है। बीसीसीआई का कहना है कि भारतीय टीम किसी ऐसे टूर्नामेंट में नहीं खेल सकती है, जिसके आयोजन का प्रमुख पाकिस्तान का कोई मंत्री हो। साथ ही कहा कि यह पूरे देश की भावना है। इसी कारण हमने आगामी महिला इमर्जिंग टीम एशिया कप से अपनी वापसी के बारे में एसीसी को जानकारी दे दी है। साथ ही कहा कि भविष्य में एसीसी के आगे के आयोजनों में भी हम भाग नहीं लेंगे।

गौरतलब है इस साल एशिया कप की मेजबानी भारत को करनी थी और अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप को देखते हुए इसे टी-20 प्रारूप में खेला जाना था। इस टूर्नामेंट इससे पहले 2023 में आयोजन हुआ था। तब भारतीय टीम ने श्रीलंका को हराकर जीत दर्ज की थी। एशिया कप के अधिकतर प्रायोजक भारतीय कंपनियां हैं इसलिए भारतीय टीम के नहीं खेलने से ये टूर्नोमेंट रद्द होना तय है। भारत और पाकिस्तान के अलावा इस टूर्नामेंट में श्रीलंका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीमें भी खेलती हैं। एशिया कप का पिछ्ला सत्र पाकिस्तान में हुआ था। तब भारत नपे अपनी टीम सुरक्षा कारणों से नहीं भेजी थी और तटस्थ स्थल श्रीलंका में अपने मुकाबले खेले थे।

# ईसीबी ने भारत दौरे से पहले डेटा विश्लेषकों को हटाया

**लंदन (एजेंसी)।** भारत के खिलाफ अगले माह होनी वाली सीरीज को देखते हुए इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) बदलावों में लगी है। इसी के तहत ही उसने अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को हटा दिया है। इसका कारण टीम के मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम को डेटा जैसी बातों पर भरोसा नहीं होना है। एक रिपोर्ट के अनुसार लेमन और फ्रेडी के बाहर होने से तय है कि टीम अ डेटा आंकलन पर अधिक जोर नहीं दे रही। लीमन और वाइल्ड सबसे वरिष्ठ डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक है। दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ काफी समय रहे हैं। अब ये दोनो इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल नहीं रहेंगे। इस सीरीज में इंग्लैंड टीम पहली बार हैरी ब्रुक की कप्तानी में उतरेगी। मैकुलम डेटा आधारित आंकलन को फायदेमंद नहीं मानते हैं। इस पूर्व कप्तान का मानना है कि ये टेस्ट प्रारुप की जगह पर टी20 प्रारूप के लिए अधिक लाभदायक है। मैकुलम का मानना है

कि कि सहायक कर्मचारियों की कम संख्या से माहौल भी सरल बनता है। उन्होंने कहा, ' वह इंग्लैंड के खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और प्रदर्शन के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इसके साथ ही मैच वाले दिनों में ड्रेसिंग रूम की व्यवस्था भी ठीक की जाएगी। डेटा विश्लेषकों की मांग पिछ्ले कुछ समय में तब बड़ी जब टीमें अपने साथ ही विरोधी खिलाड़ियों का भी आंकलन करने लगी थीं। भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली सीरीज से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यलूटीसी) का अगल सत्र शुरु होने जा रहा है। ऐसे में ईसीबी टीम को बेहतर बनाने के पूरे प्रयास कर रही है।

# तेंदुलकर-गावस्कर से भी बेहतर हैं विराट कोहली : रवि शास्त्री

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने विराट कोहली की मैदान के अंदर और बाहर शानदार कार्यशैली की तारीफ की। शास्त्री ने कहा कि कोहली विपक्षी टीमों के लिए एक खौफ थे। शास्त्री और कोहली की कोच-कप्तान जोड़ी भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे बेहतरीन जोड़ियों में से एक रही। इस जोड़ी ने भारतीय क्रिकेट को हर मैदान पर टेस्ट मैच जीतने वाली ताकतवर टीम में बदला।

शास्त्री ने कहा कि कोहली की कार्यशैली ने उन्हें विश्व का सबसे फिट खिलाड़ी बनाया और टीम को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीम में तब्दील किया। कोहली हमेशा अपने साथियों और यहां तक कि विपक्षी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने को तैयार रहते थे। शास्त्री ने देखा कि विपक्षी खिलाड़ी भी कोहली से सलाह लेने आते थे, और कोहली उत्साह से उनकी मदद करते थे।

शास्त्री ने कहा कि विराट कोहली की कार्यशैली सबसे संक्रामक थी, जिसने टीम को विश्व क्रिकेट की सबसे फिट और शानदार प्रदर्शन करने वाली इकाई बनाया। वह विपक्ष के लिए खौफ थे, लेकिन अपने साथियों के लिए दोस्त और मार्गदर्शक। मैंने विपक्षी खिलाड़ियों को उनसे सलाह लेते देखा और विराट हमेशा मदद को तैयार रहते थे। मैंने उन्हें बेहतरीन बल्ले गिफ्ट करते देखा, क्योंकि वह असुरक्षित प्रतिस्पर्धी नहीं थे।

शास्त्री को खिलाड़ियों की तुलना पसंद नहीं। उन्होंने गावस्कर और तेंदुलकर के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया, लेकिन कोहली में कुछ अलग देखा। उन्होंने कहा कि मुझे तुलना पसंद नहीं। मैंने गावस्कर और तेंदुलकर के बारे में सवाल सुने। मैं उनके साथ खेला, लेकिन कोहली को मैंने अलग नजरिए से देखा। वह क्रिकेट खेलने नहीं, उसे कमांड करने और मैदान पर कब्जा करने उतरते थे। उन्होंने न सिर्फ मैच जीते, बल्कि भारतीय क्रिकेट को नए सिरे से गढ़ा। कोहली मैदान पर सिर्फ खेलने नहीं, बल्कि विपक्ष पर हावी होने और अपनी अनूठी शैली से भारतीय क्रिकेट के सबसे खास कप्तान बनने के लिए उतरते थे।

### शास्त्री-कोहली की उपलब्धियां

2018-19 में ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक जीत : इस जोड़ी ने भारत को पहली बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जिताई, जो किसी एशियाई टीम की पहली उपलब्धि थी।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021 :भारत ने शास्त्री-कोहली के नेतृत्व में पहली WTC फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

टेस्ट रैंकिंग में दबदबा : 2016 से 2020 तक 42 महीनों तक भारत टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर रहा।

वेस्टइंडीज में क्लीन स्वीप : शास्त्री-कोहली के नेतृत्व में भारत ने पहली बार कैरेबियाई धरती पर टेस्ट सीरीज में वेस्टइंडीज का सफाया किया।

# कुलदीप ने अंपायर को कहे अपशब्द

नई दिल्ली ।आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के स्पिनर कुलदीप यादव अंपायर को कहे अपशब्दों के कारण विवादों में घिर गये हैं और इस मामले में उनपर कार्रवाई भी हो सकती है।ये मामला गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच का है।तब कुलदीप गुजरता के बल्लेबाज साई सुदर्शन के खिलाफ एलबीडब्ल्यू अपील खारिज होने से अंपायर पर भड़क गये।अंपायर ने उनकी अपील को ठुकरा दिया था। इसके बाद कुलदीप अंपायर पर भड़के गये।कुलदीप ने पारी के 8वें ओवर की पहली गेंद पर सुदर्शन के खिलाफ अपील की पर अंपायर ने आउट नहीं दिया।डीसी पहले ही एक रिव्यू गंवा चुकी थी।इसके बावजूद कप्तान अक्षर पटेल ने कुलदीप के कहने पर रिव्यू लेने का फैसला किया। रीप्ले में दिखा कि गेंद लेग स्टंप को बस छू रही थी। इसे अंपायर कॉल माना गया।अंपायर के इस फैसले से सुदर्शन बच गए।कुलदीप को यह बात पसंद नहीं आई और उन्होंने अंपायर से जाकर बात की।वह अंपायर के फैसले से नाराज थे।इसक बाद अक्षर ने कुलदीप को शांत किया।फाफ डु प्लेसिस भी मामले को सुलझाने दौड़कर आए।अगर कुलदीप आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए पाए जाते हैं, तो उन पर जुर्माना भी लग सकता है।इस घटना का एक भी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

# इंग्लैंड दौरे से पहले सख्त डाइट और ट्रेनिंग पर सरफराज खान, वजन में की भारी कटौती

नई दिल्ली ।अगले महीने होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान ने खूब पसीना बहा रहे हैं और जमकर मेहनत कर रहे हैं।सरफराज फिट होने की राह पर हैं और सख्त डाइट प्लान के जरिए उन्होंने 10 किलो वजन भी घटाया है।एक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी साझा की गई है।पिछले साल 2024 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले सरफराज ने एक भी विदेशी टेस्ट मैच नहीं खेला है।बल्लेबाज को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों के लिए इंडिया ए टीम में चुना गया है।इस बार उन्हें भी टीम में मौका मिले इसके लिए वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं क्योंकि यही एक चीज में जिसे लेकर उन्हें अकसर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। भारत ए को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच (30 मई-2 जून को कैंटरबरी में और 6-9 जून को नॉर्थम्प्टन में) और सीनियर इंडिया टेस्ट टीम के खिलाफ एक इंट्रा-स्क्वाड मैच (13-16 जून को बेकेनहैम में) खेलना है।18 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने कहा कि शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन 3 जून को आईपीएल 2025 के समाप्त होने के बाद इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे मैच से पहले भारत 'ए' टीम में शामिल होंगे।

# सुनील छेत्री ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम से की मुलाकात, खिलाड़ियों को दिए अहम टिप्स

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** भारतीय महिला फुटबॉल टीम मौजूदा समय में एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालिफायर्स की तैयारी कर रही है, उनको हाल ही में एक खास मेहमान का साथ मिला। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के अपने फैसले को वापस लिया, छेत्री ने ब्लू टाइग्रेसेस के हौसले को बढ़ाने के लि एक जोशीला भाषण दिया।

बता दें कि, बेंगलुरु के पदुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में चल रहे प्रशिक्षण शिविर में छेत्री ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को हासिल करने के लिए पागलपन के साथ मेहनत करें।

अपने 41 साल के अनुभव को शेयर करते हुए छेत्री ने खिलाड़ियों को समय के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि, कल मैं 18 साल का था और आज में 41 साल का हूं। आपको कोच (क्रिस्पिन छेत्री) और मैं एक समय एक ही टीम में खेलते थे।स मैं ये इसलिए कह रहा हूं ताकि आप समझ सकें कि समय कितनी तेजी से बीतता है। अगर आप वाकई कुछ हासिल करना चाहते हैं तो छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखें। एक रात 10 बजे सोने और 10.45 बजे सोने में ज्यादा फर्क नहीं पड़ता लेकिन इसे एक साल तक करें, फिर देखें क्या बदलाव आता है। एक दिन समोसा खाने से ज्यादा नुकसान नहीं होता लेकिन एक साल तक इसे छोड़ दें तो आप देखेंगी कि आप कहां पहुंचती हैं।

साथ ही छेत्री ने युवा खिलाड़ियों से अपनी जवानी को बर्बाद न करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि, आप अभी युवा हैं बस पागल हो जाइए। सामान्य जिंदगी जीने के लिए तो बहुत वक्त मिलेगा।

वहीं बातचीत के बाद भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने छेत्री को एक ऑटोग्राफ किया हुआ जर्सी भेंट किया, जिसे देखकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि, इन सभी सालों में भात के लिए खेलते हुए मुझे कभी भी भारतीय टीम के बाकी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली जर्सी नहीं मिली। मैं इसे फ्रेम करवाऊंगा। ये पल न केवल खिलाड़ियों के लिए बल्कि छेत्री के लिए भी यादगार बन गया।

## आईपीएल इतिहास में 16वीं बार किसी बल्लेबाज के शतक के बाद भी हारी टीम

नई दिल्ली ।गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से केएल राहुल ने शतकीय पारी खेली थी पर टीम की करारी हार के साथ ही उनका शतक बेकार चला गया।इस मैच में राहुल के शतक से दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 199 रन बनाए थे।इसके बाद गुजरात ने ये लक्ष्य बिना किसी नुकसान के 200 रन बनाकर हासिल कर लिया।ये आईपीएल इतिहास में 16वीं बार है, जब किसी बल्लेबाज के शतक के बाद भी उसकी टीम हार गई हो।आईपीएल के पहले ही सीजन 2008 में डेक्कन चार्जर्स बनाम राजस्थान रॉयल्स के मैच में पहली बार ऐसा हुआ था।तब बल्लेबाज एंड्रयू साइमंड्स ने डेक्कन चार्जर्स की ओर केवल 53 गेंद में 117 रन बनाये थे पर उनकी टीम हार गयी थी।वहीं आईपीएल के 2019 सत्र में तीन बार किसी खिलाड़ी के शतक के बाद भी उसकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था।तब राजस्थान रॉयल्स के संजू सैमसन ने नाबाद 102 रन बनाए थे पर उनकी टीम हार गई थी।

# पंजाब के प्लेऑफ में पहुंचते ही गावस्कर ने गंभीर पर निशाना साधा

## -पिछली बार श्रेयस को मिलने वाला श्रेय ले उड़े थे

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स के प्लेऑफ में पहुंचते ही कोलकाता नाइटराइडर्स के पूर्व कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है।गावस्कर ने कहा है कि पिछले आईपीएल में केकेआर की कप्तानी करते हुए श्रेयस अय्यर ने टीम को खिताबी जीत दिलायी थी पर गंभीर पूरा श्रेय ले गये।गावस्कर ने कहा कि टीम को श्रेयस ने चैंपियन बनाया था पर गंभीर ने उन्हें किनारे कर दिया। उन्होंने कहाकि सत्र की शुरुआत में गौतम ने केकेआर के मेन्टॉर के रूप में ज्वॉइन किया था पर आईपीएल का खिताब तक पहुंचते-पहुंचते सब बदल गया। सभी श्रेय गंभीर के पास चला गया जबकि इसके वास्तविक अधिकारी श्रेयस थे। इसके बाद श्रेयस को टीम ने रिटेन नहीं किया और मेगा नीलामी में पंजाब ने उन्हें मोटी रकम लेकर खरीद लिया। गावस्कर ने कहाकि यह कप्तान ही होता है जो मैच में अहम भूमिका निभाता है। डगआउट में बैठकर कोई कोच जीत नहीं दिला सकता।गावस्कर ने कहाकि इस साल देखिए पूरा श्रेय श्रेयस को मिला रहा है।कोई भी यह नहीं कह रहा है कि कोच रिकी पॉन्टिंग ने पंजाब को प्लेऑफ में पहुंचाया है ।अय्यर की कप्तानी में पंजाब की टीम 11 साल में पहली बार आईपीएल प्लेऑफ में पहुंची है।इसके साथ ही वह टूर्नामेंट के इतिहास में अकेले ऐसे कप्तान बन गए हैं, जिसने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी को आईपीएल प्लेऑफ तक पहुंचाया है।साल आईपीएल 2023 में अय्यर पीठ की चोट के चलते बाहर हो गए थे।इसके बाद 2024 में उन्होंने केकेआर की कप्तानी करते हुए उसे खिताब जिताया।इससे पहले के दो सीजन में यह टीम सातवें नंबर पर रही थी।

# आरसीबी फाइनल में पहुंची तो स्टेडियम में रहूंगा : विलियर्स

जोहांसबर्ग ।दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने कहा है कि अगर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम आईपीएल फाइनल में पहुंची तो वह मैच देखने भारत जाएंगे।लंबे समय तक आरसीबी से खेले विलियर्स ने कहा है कि इस बार टीम ने काफी अच्छा खेला है और वह खिताब जीत सकती है।इस क्रिकेटर के अनुसार इस बार आरसीबी बहुत अच्छा खेल रही है और यह टीम प्लेऑफ में अपनी जगह तकरीबन पक्की कर चुकी है। विलियर्स ने आईपीएल में 11 साल तक आरसीबी से खेला है। वह साल 2011 से 2021 तक टीम में रहे हैं। उनकी विराट कोहली के साथ कई धमाकेदार पारियां रहीं हैं।एक समय ऐसा था जब आरसीबी के पास कोहली, डी विलियर्स और क्रिस गेल जैसे खतरनाक बल्लेबाज थे। हालांकि टीम इसके बाद भी एक बार भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी थी। इस सीजन में टीम के बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित डी विलियर्स ने कहा कि वह अपने करीबी दोस्त विराट कोहली के साथ ट्रॉफी उठाना चाहते हैं।इसलिए, अगर आरसीबी फाइनल में पहुंचती है तो वह निश्चित रूप से भारत आएंगे।डी विलियर्स ने कहा, अगर आरसीबी फाइनल में पहुंचती है तो मैं टीम के साथ स्टेडियम में रहूंगा क्योंकि।विराट कोहली के साथ उस ट्रॉफी को उठाने से ज्यादा खुशी मुझे किसी और चीज में नहीं मिलेगी।आईपीएल का फाइनल 3 जून को खेला जाएगा, जबकि प्लेऑफ 29 मई से शुरू होंगे।क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर क्रमशः 29 और 30 मई को खेले जाएंगे, जबकि क्वालिफायर 2, 1 जून को होगा।

# केएल राहुल लोगों की अपेक्षा कहीं बेहतर खिलाड़ी हैं : मूडी

**दुबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)।** नई दिल्ली -ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज टॉम मूडी ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को उनकी वास्तविक क्षमता का पूरा श्रेय नहीं दिया गया है। उन्होंने रविवार को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 112 रनों की पारी खेलकर दिल्ली कैपिटल्स को बल्लेबाजी क्रम के पतन से बचाया था। दिल्ली की शुरुआत खराब रही और पहले पांच ओवरों में 1 विकेट पर 28 रन ही बना सकी। लेकिन राहुल की शानदार बल्लेबाजी ने उन्हें लगभग 200 रन के आंकड़े तक पहुंचा दिया। हालांकि साई सुदर्शन (नाबाद 108) और शुभमन गिल (नाबाद 93) ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर गुजरात टाइटन्स के लिए प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली।

राहुल ने 60 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 172.30 के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाकर नाबाद रहे। आईपीएल 2025 में वह 148.04 की स्ट्राइक रेट से 12 पारियों में 493 रन बना चुके हैं। आईपीएल 2018 के बाद से यह उनका सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है, जब उन्होंने 14 मैचों में 158.41 की दर से 659 रन बनाए थे। मूडी ने पर कहा, 'मुझे हमेशा केएल राहुल के बारे में आलोचना काफी असाधारण लगती है। मुझे लगता है कि वह बहुत से लोगों की तुलना में बहुत बेहतर खिलाड़ी हैं। और जिस तरह से मैं इस पारी को देखता हूं, मुझे लगता है कि यह एक शानदार पारी है।'

उन्होंने कहा, 'और हां, देखिए यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन मैच जीतता है, आप जानते हैं, वह प्लेयर ऑफ द मैच है या नहीं। लेकिन जिस तरह से मैं इसे और बैटिंग कार्ड को देखता हूं, जो उन्हें निराश करता है और 220 तक नहीं पहुंच पाते है, वह है अन्य बल्लेबाज जो केवल 150 पर ही आउट हो गए। (बल्लेबाज़ी के अनुकूल) सतह पर, आप प्रभाव चाहते हैं।'

उन्होंने कहा, 'जब आपके पास कोई ऐसा खिलाड़ी होता है जो एंकरिंग करता है, जो कुल स्कोर बनाता है, तो जब आप आते हैं तो आपकी भूमिका खेल को प्रभावित करना होती है, दस गेंदों पर 30 रन, उस तरह की पारी, जो आपको अचानक 220 तक ले जाती है। एक ही व्यक्ति पर उंगली उठाने के बजाय, मुझे लगता है कि यह इसके विपरीत है।'

दस ओवर के निशान तक दिल्ली कैपिटल्स 1 विकेट पर 81 रन बना चुकी थी, जिसमें राहुल ने 38 गेंदों पर 56 रन बनाए। हालांकि 15वें और 18वें ओवर के बीच राहुल ने केवल छह गेंदों का सामना किया, जबकि अक्षर पटेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने अधिकांश गेंदें खेली।

मूडी के अनुसार, इस बदलाव ने कुछ हद तक राहुल की गति को बाधित किया। मूडी ने कहा, 'टीम के पास 220 तक पहुंचने का अवसर था। टीम ने ऐसा नहीं किया। यह कोई व्यक्तिगत खेल नहीं है। यह एक टीम खेल है। और यहीं पर यह संवाद होता है कि कौन आ रहा है और जब आप मैदान पर होते हैं तो संवाद होता है - 'ठीक है, हमें इस ओवर की शुरुआत में दो बाउंड्री लगाने का लक्ष्य रखना है; चलो इसे एक बड़ा ओवर बनाते हैं।'

मूडी ने आगे कहा, 'मेरे हिसाब से, वे उस बीच (अवधि में) थोड़ा निष्क्रिय रहे। और साथ ही हमें केएल राहुल को भी पहचानना होगा, मेरा मानना है कि उन्होंने बीच के चार ओवरों में केवल चार (छह) गेंदों का सामना किया। इसलिए उन्होंने अपनी लय भी खो दी।'

## क्या आप भी घर के आंगन को देना चाहती है खूबसूरत लुक, तो इन बेकार चीजों का इस तरह करें इस्तेमाल

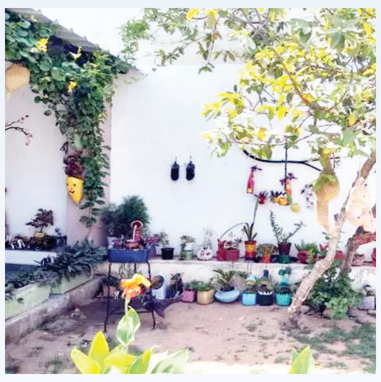

हर कोई अपने घर को सुंदर बनाना चाहता है। ऐसे में घर को खूबसूरत बनाने के लिए हर छोटी-छोटी बात का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अगर आप भी अपने घर के आंगन को आकर्षक बनाना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप घर के उस हिस्से को सजा सकते हैं जहां सबसे ज्यादा लोग आते-जाते हैं।

### अपने यार्ड को ऐसे बनाएं खूबसूरत

आंगन घर की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसे खूबसूरत बनाने के लिए आप कई तरह के पौधे, फूल और सजावटी सामान का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले आप किसी भी दुकान या नर्सरी से रंग-बिरंगे फूलों के गमले लाकर अपने घर के आंगन में रख सकते हैं। आजकल बाजार में सजावट के लिए भी एक से एक पौधे आसानी से उपलब्ध हैं।

### दीवारों पर बेलें लगाएँ

आप आंगन की दीवारों को सुंदर बनाने के लिए मनी प्लांट, मोगरा जैसी कई सुगंधित लताएं लगा सकते हैं। इससे आंगन की दीवारें चमक उठेंगी। आप आंगन के बाहर बाउंड्री पर नींबू, संतरा या आम जैसे छोटे पेड़ लगा सकते हैं। यह पेड़ आपके यार्ड को हरा-भरा बना देगा और घर आने वाले सभी मेहमान आपके यार्ड की तारीफ करने लगेंगे।

### आँगन में एक सुन्दर झूला लगाओ

इतना ही नहीं, आप अपने यार्ड में एक छोटा सा फव्वारा भी स्थापित कर सकते हैं। यह आपके घर में शांति और सुन्दरता ला सकता है। इसके अलावा आप आंगन में छोटा सा सुंदर झूला या बेंच लगा सकते हैं ताकि आप शांति से बैठ सकें या झूले में झूलकर प्रकृति का आनंद ले सकें। यहां बैठने से आपको आराम मिलेगा।

### बांस की छड़ियों का उपयोग करें

आप शाम के समय अपने आँगन में रोशनी या लैंप का उपयोग कर सकते हैं। इससे पूरा प्रांगण रोशन हो जाएगा। आप अपने आँगन को पत्थरों से सजा सकते हैं। इसके अलावा, सजावट के लिए भी बांस की छड़ियों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

### प्रतिदिन यार्ड साफ करें

इन सभी सुझावों के अलावा आपको अपने यार्ड को रोजाना साफ करना चाहिए और पौधों को पानी देना चाहिए। यदि आप ऐसा करेंगे तो आपका यार्ड हरा-भरा और सुंदर दिखेगा। ये सभी टिप्स आपके यार्ड को सुंदर बनाने में आपकी मदद करेंगे।

# घर को मिलेगा अमीरों वाला रॉयल लुक, इन 4 ट्रिक्स से हमेशा साफ-सुथरा दिखेगा हर कोना

**हर किसी का सपना होता है कि उसका घर न केवल आरामदायक हो, बल्कि उसका लुक भी रॉयल और शानदार हो। खासकर जब बात सफाई और सजा-संवारा की हो, तो यह महत्वपूर्ण होता है कि घर का हर कोना हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित दिखे। हालांकि, घर को हमेशा एक रॉयल लुक देना और उसे अच्छे से सजाना उतना कठिन भी नहीं है। कुछ आसान और प्रभावी ट्रिक्स के जरिए आप भी अपने घर को अमीरों जैसा दिखा सकते हैं। आइए जानते हैं उन 4 खास ट्रिक्स के बारे में, जो आपके घर को हमेशा साफ-सुथरा और शानदार बनाए रखेंगी।**

### 1. फर्नीचर की व्यवस्था और डिजाइन

घर के फर्नीचर की सही व्यवस्था और चयन रॉयल लुक पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ बुनियादी फर्नीचर डिज़ाइनों को ध्यान में रखकर आप घर को रॉयल बना सकते हैं। जैसे :

क्लासिक और स्लीक फर्नीचर : अमीर घरों में हमेशा क्लासिक, एंटीक और स्लीक डिज़ाइन का फर्नीचर होता है। इसके लिए आप अपनी लाइविंग रूम में लकड़ी के सुरुचिपूर्ण सोफा सेट या मेटल और ग्लास के संयोजन वाले टेबल का चुनाव कर सकते हैं।

साफ-सुथरी व्यवस्था : फर्नीचर की व्यवस्था इस तरह करें कि घर में हवा का सही संचार हो और कमरे की विशालता बनी रहे। फर्नीचर का ओवरलोडिंग न करें और हर सामान को उसकी जगह पर व्यवस्थित रखें।

### 2. साफ-सफाई का ध्यान रखें

अमीर लोग हमेशा अपने घर की सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं। घर को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना रॉयल लुक में एक अहम योगदान देता है। कुछ टिप्स :

डेली क्लीनिंग रूटीन : घर के हर हिस्से को रोज़ाना साफ करने की आदत डालें। फ्लोर को अच्छे से धोने के लिए एक अच्छा क्लीनर इस्तेमाल करें और वाइप से टेबल, काउंटर और गद्दे साफ करें।

धूल-मिट्टी से बचाव : खिड़कियों और दरवाजों के पर्दों को नियमित रूप से धोएं ताकि धूल-मिट्टी का जमाव न हो। एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल भी कमरे को ताजगी से भर देता है।

### 3. हाई-एंड डेकोर और एक्सेसरीज़

रॉयल लुक पाने के लिए, घर में सही डेकोर और एक्सेसरीज़ का होना जरूरी है। कुछ महत्वपूर्ण चीजों का ध्यान रखें :

आर्ट पीस और वॉल पेंटिंग : दीवारों पर पेंटिंग या आर्ट पीस लगाना घर को रॉयल लुक देता है। अमीर घरों में अक्सर महंगे और अनोखे आर्टवर्क होते हैं, जिन्हें देखकर ही घर की भव्यता का अहसास होता है।

लक्ज़री लाइटिंग : अच्छे और भव्य लाइटिंग से घर की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। आप सोने के रंग के झूमर, क्रिस्टल लाइट्स या महंगे चांदी के लैंप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

विंटर कुशन और थ्रो : सोफे पर रंग-बिरंगे, मुलायम और लक्ज़री फैब्रिक के कुशन और थ्रो रखें। यह न केवल सोफे को और आकर्षक बनाता है, बल्कि घर को भी रॉयल और आरामदायक लुक देता है।

### 4. रंगों का चुनाव और व्यवस्था

घर में सही रंगों का चुनाव भी उसकी सफाई और रॉयल लुक को बेहतर बना सकता है। अमीर घरों में रंगों का चयन बेहद ध्यान से किया जाता है, क्योंकि यह कमरे की खूबसूरती और शांति को बढ़ाता है।

लाइट और न्यूट्रल शेड्स : रॉयल लुक के लिए हलके रंग जैसे क्रीम, बेज, सफेद, हल्के गुलाबी या आइलिवन पिंक का चुनाव करें। इन रंगों से घर की जगह खुली और रोशन दिखेगी। इसके अलावा, डार्क टोन जैसे डार्क ग्रीन या ब्लू भी रॉयल लुक के लिए बेहतरीन होते हैं।

कलर्ड ऐक्सेंट्स : कमरे में थोड़े-बहुत रंग के ऐक्सेंट्स जैसे सजावटी वस्त्र, कुशन या दीवारों पर पेंटिंग्स भी रॉयल लुक को हाईलाइट करते हैं। इनसे कमरे की सुंदरता और विविधता में इजाफा होता है।

इन ट्रिक्स को अपनाकर आप अपने घर को एक रॉयल और क्लासी लुक दे सकते हैं, जो न केवल आपको बल्कि आपके मेहमानों को भी प्रभावित करेगा। सही फर्नीचर, अच्छी सफाई, खूबसूरत डेकोर और उपयुक्त रंगों के साथ, आपका घर हमेशा साफ-सुथरा और शानदार नजर आएगा। तो, तैयार हो जाइए अपने घर को अमीरों जैसा बनाने के लिए और उसे हर दिन रॉयल लुक में सजाने के लिए!

## क्या आप जानते हैं रोज 5 मिनट अनुलोम विलोम करने से क्या होता है? सेहतमंद बीतेगी जिंदगी, ऐसे करें अभ्यास

स्वस्थ रहने के लिए सभी स्वास्थ्य विशेषज्ञ उचित आहार के साथ-साथ योग और व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देते हैं। अक्सर लोग यह सोचकर योग और व्यायाम से बचते हैं कि यह बहुत कठिन है या इसमें बहुत समय लगेगा। लेकिन, ऐसा बिल्कुल नहीं है। योग और प्राणायाम शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। अनुलोम-विलोम और कपालभाति प्राणायाम सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। क्या आप जानते हैं कि रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से क्या फायदा होता है और इसे करने का सही तरीका क्या है, आइए विशेषज्ञ से जानते हैं। योग विशेषज्ञ नताशा कपूर इस बारे में जानकारी दे रही हैं। वह एक प्रमाणित योग शिक्षिका हैं।

अगर आप रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करते हैं तो क्या होता है?

रोजाना 5 मिनट तक अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से मन शांत होता है। इससे तनाव दूर होता है और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है. जिन लोगों का पाचन तंत्र खराब है, उन्हें रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करना चाहिए।

कपालभाति प्राणायाम एसिडिटी, गैस और कब्ज को दूर करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

यह एकाग्रता और स्मरण शक्ति में सुधार करता है तथा चिंता से राहत देता है।

रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम करने से भी बीपी नियंत्रित रहता है। अगर आपका बीपी हाई रहता है तो आपको कपालभाति के बाद अनुलोम-विलोम जरूर करना चाहिए।

कपालभाति प्राणायाम करने से भी पेट की चर्बी कम होती है।

रोजाना 5 मिनट कपालभाति और अनुलोम-विलोम करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और चेहरे पर चमक आती है। इससे वजन भी कम होता है।

अगर आपको अच्छी नींद नहीं आती, शरीर हमेशा थका रहता है और मन शांत नहीं रहता तो ये दो प्राणायाम 5 मिनट तक करें।

रोजाना 5 मिनट कपालभाति और अनुलोम-विलोम करने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और फेफड़ों और हृदय का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

### उलटने का सही तरीका

इस प्राणायाम को करने के लिए आपको एक शांत जगह पर बैठना होगा।

आप इसे फर्श पर बैठकर या योग मैट के साथ बिस्तर पर बैठकर भी कर सकते हैं।

आपको इसे सुखासन या पद्मासन में बैठकर करना होगा।

यह करने के लिए बहुत आसान है।

सबसे पहले आपको अपने दाहिने अंगूठे को अपने दाहिने नथुने पर रखना होगा।

इसके बाद आपको दूसरे नथुने यानि बायें नथुने से सांस लेनी है।

सांस लेते समय इस नथुने को बंद कर लें और अपने अंगूठे को दाएं नथुने से हटाकर सांस छोड़ें।

अब केवल दाहिने नथुने से ही श्वास लें।

आपको इसे बायीं नासिका से बाहर निकालना होगा।

इस प्रक्रिया को इस प्रकार दोहराएँ।

याद रखें कि आपको उसी नथुने से दोबारा सांस लेनी है जिससे आपने सांस छोड़ी थी।

कपालभाति करने का सही तरीका

इस प्राणायाम को करने के लिए आपको सुखासन में बैठना होगा।

अपनी रीढ़ सीधी रखें.

पेट को ढीला छोड़ दें।

अब आपको तेजी से सांस बाहर छोड़नी है।

ऐसा करते समय आपका पेट अंदर की ओर खिंचना चाहिए और पेट पर दबाव महसूस होना चाहिए।

इसे कुछ समय तक दोहराएँ।

रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से आपको ये फायदे मिल सकते हैं। अगर आपको कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या है तो हमें लेख के ऊपर कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने लेखों के माध्यम से आपकी समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे।

# गर्मी में बर्फ की तरह पिघलेगी पेट और जांघों की चर्बी

## डाइट में सिर्फ इन 5 फूड्स को कर लें शामिल

महिलाएं घर और बाहर की जिम्मेदारियों में इतनी व्यस्त रहती हैं कि वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख पातीं। इसके अलावा, लंबे समय तक बैठे रहने से शारीरिक गतिविधियां भी कम हो रही हैं। इन कारणों से शरीर का वजन और चर्बी बढ़ने लगती है। शरीर की चर्बी न सिर्फ पर्सनालिटी खराब करती है, बल्कि कई तरह की समस्याएं भी पैदा करती है।

मोटापे के कारण शरीर में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, गठिया, स्ट्रोक जैसी कई बीमारियां घर करने लगती हैं। ऐसे में अपने खान-पान और जीवनशैली में जरूरी बदलाव करना बेहद जरूरी है। इसके लिए रोजाना व्यायाम करना जरूरी है। हालांकि, कभी-कभी महिलाओं के लिए घर और ऑफिस के काम के बीच जिम जाने और व्यायाम करने के लिए समय निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में ऐसे व्यायामों की जरूरत है, जो आसानी से और कम समय में किए जा सकें।

हम आपके लिए 4 ऐसी एक्सरसाइज लेकर आए हैं, जिन्हें करने के लिए आपको जिम जाने की भी जरूरत नहीं है, बल्कि आप घर पर ही थोड़ा-बहुत कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस एक दीवार की जरूरत है। आप ये व्यायाम दीवार के सहारे खड़े होकर आसानी से कर सकते हैं। फिटनेस एक्सपर्ट जूही कपूर हमें इनके बारे में बता रही हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपने अभी-अभी फिटनेस पर ध्यान देना शुरू किया है और आप आसान एक्सरसाइज की तलाश में हैं, तो आप दीवार के सहारे कुछ एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे आपको कई फायदे मिलते हैं। यह शरीर की कई मांसपेशियों पर काम करता है। इससे संतुलन और मुद्रा में सुधार होता है और पैर, हाथ और पेट की चर्बी कम होती है। इन एक्सरसाइज को रोजाना करने से शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है। इसके अलावा यह फैट बर्न करने और पूरे शरीर को टोन करने में मदद करता है।

### दीवार पर मार्च

यह एक बहुत ही आसान और प्रभावी व्यायाम है जिसे आप घर पर दीवार की मदद से कर सकते हैं। यह पूरे शरीर को सक्रिय करता है और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह एक कार्डियो व्यायाम है जो हृदय गति को बढ़ाता है और पैरों, जांघों और ग्लूट्स को मजबूत करता है।

### दीवार मार्चिंग के चरण

इसे करने के लिए दीवार की ओर मुंह करके अपने पैरों को थोड़ा अलग रखकर खड़े हो जाएं।

अपने दोनों हाथ सीधे दीवार पर रखें।

फिर उसी स्थान पर खड़े होकर बारी-बारी से पैरों को छाती की ओर ऊपर उठाएं, जैसे कि आप मार्च कर रहे हों।

इस व्यायाम को 50 बार दोहराएँ।

### दीवार मोड़

यह व्यायाम करना थोड़ा कठिन है, लेकिन इसे रोजाना करने से आप पूरे शरीर की चर्बी कम कर सकते हैं। इसके अलावा, यह व्यायाम कमर की मांसपेशियों को मजबूत करता है, रीढ़ को लचीला बनाता है, पाचन में सुधार करता है और तनाव को कम करता है।

### दीवार मोड़ने के चरण

इस व्यायाम को करने के लिए दीवार के पास खड़े हो जाएं।

अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई तक खोलें।

दोनों हाथ दीवार पर रखें।

कमर से शरीर को दाएं से बाएं ओर घुमाएं, जैसे आप कुर्सी घुमा रहे हों।

यह व्यायाम दूसरी तरफ से भी करें।

व्यायाम करते समय सांस अंदर और बाहर लें।

यह व्यायाम 50 बार करें।

दीवार पर उकडूँ बैठना

यह एक ऐसा व्यायाम है, जो न केवल आपके पैरों, जांघों और कूल्हों को मजबूत बनाता है, बल्कि पूरे शरीर को टोन करने में भी मदद करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ऐसा करने से अधिक कैलोरी बर्न होती है और मेटाबोलिज्म भी बढ़ता है। इसके अलावा यह तनाव को भी कम करता है।

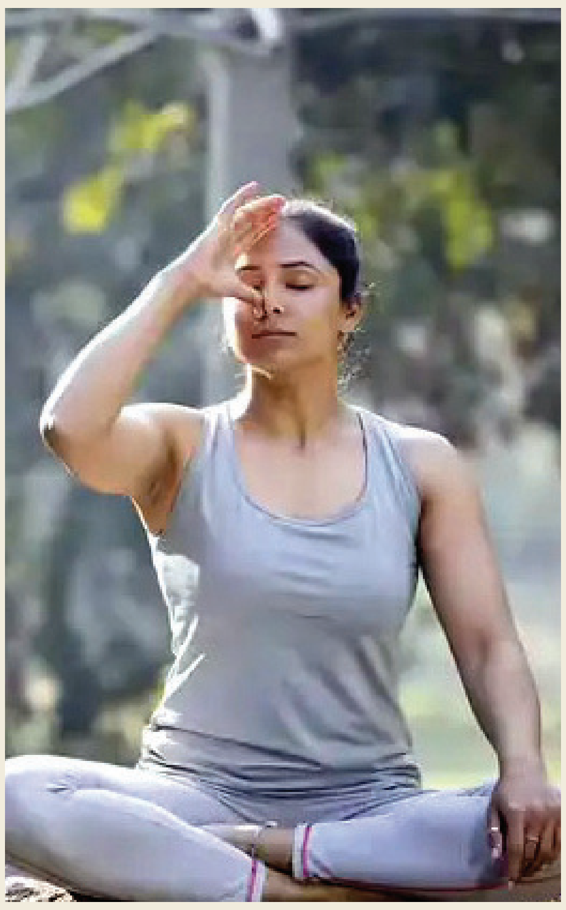

# विदेश जाने वाली टीम के लिए कांग्रेस से नाम नहीं मांगे: केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र सरकार ने कांग्रेस के उन तमाम आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें दावा किया गया था कि सरकार ने विपक्षी पार्टी से विदेशी दौरों के लिए चार सांसदों के नाम मांगे और फिर उनमें से तीन को खारिज कर दिया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को इस मिशन की जानकारी सिर्फ शिष्टाचारवश दी गई थी, न कि औपचारिक प्रक्रिया के तहत।एक अंग्रेजी अखबार से बातचीत में रिजिजू ने कहा, कभी भी यह प्रथा नहीं रही है कि विपक्षी पार्टियों से उनके नाम मांगे जाएं। हमने उन्हें केवल शिष्टाचार के तहत सूचित किया।

कांग्रेस द्वारा अपने सुझावों की उपेक्षा को लेकर जताई गई नाराजगी पर जवाब देते हुए रिजिजू ने कहा कि सरकार ने उन्हीं लोगों को चुना जो मिशन के लिए सबसे उपयुक्त थे। उन्होंने कहा, हमें हैरानी हो रही है कि कांग्रेस शशि थरूर और मनीष तिवारी जैसे नेताओं के नामों पर सवाल उठा रही है। दोनों विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष की तरफ से प्रभावी आवाज रहे हैं और अभी एक साल भी नहीं हुआ जब कांग्रेस ने खुद थरूर को विदेशी मामलों की स्थायी समिति का अध्यक्ष बनाया था। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि थरूर और तिवारी को इसलिए चुना गया ताकि पार्टी नेतृत्व को नीचा दिखाया जा सके। इस पर रिजिजू ने कहा, यह केवल एक झूठा संकेत है। हमने किसी पार्टी की आंतरिक राजनीति, असुरक्षा या ईर्ष्या के आधार पर नहीं, बल्कि योग्यता के आधार पर चयन किया है। हमने सलमान खुर्शीद और अमर सिंह (पंजाब के कांग्रेस सांसद) को भी चुना है, अब इस पर क्या कहेंगे? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस चयन प्रक्रिया की आलोचना करते हुए कहा था, यह मोदी सरकार की पूर्ण असंवेदनशीलता और उसकी वह सस्ती राजनीति दर्शाता है जो वह हमेशा राष्ट्रीय मुद्दों पर खेलती है।कांग्रेस का मानना है कि थरूर को इसलिए चुना गया क्योंकि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर पार्टी लाइन से हटकर बयान दिया था। जब कांग्रेस इस मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भूमिका को निशाने पर ले रही थी, तब थरूर ने कहा था कि वे इस ऑपरेशन पर एक गर्वित भारतीय के तौर पर बोल रहे हैं। ऐसे में राहुल गांधी ने अपने प्रस्तावित नामों की सूची से थरूर को हटा दिया था। राहुल की सूची में गौरव गोगोई, आनंद शर्मा, राजा वड़िंग और सैयद नसीर हुसैन शामिल थे, जिनमें से केवल आनंद शर्मा के नाम को ही स्वीकार किया गया।बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने का भारत का संदेश लेकर सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जाएंगे, जिनमें से चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ दलों के नेता जबकि तीन की अगुवाई विपक्षी दलों के नेता करेंगे। कांग्रेस के चार सांसद इन टीमों का हिस्सा हैं और केरल के सांसद शशि थरूर एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

## श्रीलंकाई तमिल नागरिक ने जान का खतरा बताकर पनाह मांगी, सुप्रीम कोर्ट बोला- भारत धर्मशाला नहीं, जो हर किसी को शरण दे

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने शरणार्थी से जुड़े एक मामले में सोमवार को कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। दुनियाभर से आए शरणार्थियों को भारत में शरण क्यों दें? हम 140 करोड़ लोगों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। हम हर जगह से आए शरणार्थियों को शरण नहीं दे सकते। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी श्रीलंका के एक नागरिक की याचिका खारिज करते हुए की। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने श्रीलंकाई नागरिक को यूएपीए मामले में 7 साल की सजा पूरी होते ही तुरंत भारत छोड़ देने का आदेश दिया। इसके खिलाफ उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर हस्तक्षेप करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह वीजा लेकर भारत आया है। श्रीलंका में उसकी जान को खतरा है। उसकी पत्नी और बच्चे भारत में बसे हैं, और वह तीन साल से हिरासत में है, लेकिन निर्वासन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। यह केस एक श्रीलंकाई तमिल नागरिक का है, जिसे 2015 में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम से जुड़े होने के शक में गिरफ्तार किया गया था। एलटीटीई श्रीलंका में पहले सक्रिय एक आतंकी संगठन था। 2018 में एक निचली अदालत ने उसे गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत 10 साल की सजा सुनाई। 2022 में मद्रास हाई कोर्ट ने सजा को सात साल कर दिया और कहा कि सजा पूरी होने के बाद उसे देश छोड़ना होगा और निर्वासन से पहले शरणार्थी शिविर में रहना होगा।

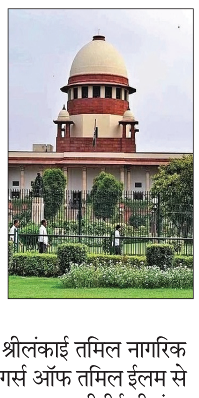

## बिहार में 4 हजार करोड़ की ठगी का खुलासा, तेलंगाना पुलिस की कार्रवाई, दो महिला-पुरुष गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार के पटना में 4 हजार करोड़ रुपए के ठगी का मामला सामने आया है। बिहार और तेलंगाना पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया है।इस मामले में पुलिस ने दानापुर से दो महिला-पुरुष को गिरफ्तार किया है जिसे तेलंगाना पुलिस अपने साथ हैदराबाद ले गयी। दानापुर पुलिस के थानाध्यक्ष पी.के.भारद्वाज ने बताया कि हैदराबाद में स्थित एक कंपनी में दानापुर से चार हजार करोड़ रुपए की ठगी की गयी थी। इस मामले में तेलंगाना पुलिस ने दानापुर पुलिस के सहयोग से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक सुषमा राज और रविंद्र कुमार सिंह के पास से 8 लाख तीस हजार 910 रुपया नगद, 6 पासपोर्ट, 10 मोबाइल फोन, बैक के स्क्रीम क्रेडिट कार्ड, तीन पासबुक, 16 आई कार्ड, 8 घड़ी व 11 पीस सोने व डायमंड के जेवरात बरामद किए गए हैं। अब तक का इतना बड़ा ठगी का मामले का खुलासा होने से पुलिस भी हैरान है। बताया जाता है कि दोनों आरोपी हैदराबाद में एक कंपनी के नाप पर निवेशकों से ठगी की थी। इस मामले में हैदराबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पटना से दोनों आरोपी को गिरफ्तार किया।

## आईएसआई से जुड़े 2 आतंकी गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार किए गए हैं। इन पर बम धमाके की साजिश रचने का आरोप है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना पुलिस ने दोनों को पकड़ा और बम ब्लास्ट होने से बचा लिया। संदिग्ध आतंकियों की पहचान सिराज उर रहमान (29) और सैयद समीर (28) के रूप में हुई है। पुलिस को संदेह है कि इन दोनों को सऊदी अरब में एक्टिव ढ्रस्ढ्स् मॉड्यूल से निर्देश मिल रहे थे, जो हैदराबाद में हमला करवाना चाहता था। पुलिस को इनके पास से अमोनिया, सल्फर और एल्युमिनियम पाउडर जैसे विस्फोटक सामान मिले हैं। सिराज ने विस्फोटक सामग्री विजयनगरम से जुटाई थी। फिलहाल संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ जारी है। जल्द ही कोर्ट में इनकड़ी पेशी होगी।

## हरियाणा में 3 महीने में 4100 लोग लापता

चंडीगढ़ (एजेंसी)।हरियाणा में तीन महीने में 4100 से अधिक लोगों के मिसिंग होने के मामले सामने आए हैं। इन मामलों पर नाराजगी जाहिर करते हुए हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4100 से अधिक लोग लापता हुए, यानी प्रतिदिन औसतन 45 से अधिक व्यक्ति गायब हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त 1000 से अधिक किडनैपिंग के मामले दर्ज हुए हैं। साथ ही मर्डर और गैर इरादतन हत्या की घटनाओं में भी पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।ये आंकड़े सार्वजनिक सुरक्षा तंत्र के विफल होने की गंभीर स्थिति को दर्शाते हैं।

## रेलवे टिकट पर पीएम मोदी की फोटों, आगबबूला हो गई आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने रेलवे टिकट पर आपत्ति जाहिर की है।पार्टी टिकट पर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और पीएम मोदी की फोटो देखकर आगबबूला हो गई।आप ने प्रचार का जरिया बताया है।आम आदमी पार्टी ने पोस्ट में लिखा कि सेना और ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर अपना प्रचार कर रहे महामानव। आप ने इस लाइन के द्वारा सीधा निशाना पीएम मोदी साधा है।इसके बाद आपने लिखा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तानी आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखाया। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसमें भी अपने प्रचार और छपास का मौका ढूंढ़ लिया है।अब रेलवे टिकट पर मोदी को फोटो के साथ छापा जा रहा है। अगर फोटो लगानी ही हैं, सेनाओं के प्रमुखों या कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की लगाए। आप ने पोस्ट के साथ रेलवे टिकट की फोटो भी साझा की है।यह किसी यात्री ने भोपाल से झांसी तक के लिए बुक की है।टिकट में नीचे की तरफ पीएम मोदी की सैल्यूट करती तस्वीर भी है, जिसके बगल में लिखा है,ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में एक नई लकीर खींच दी है,एक नया पैमाना, न्यू नॉर्मल तय कर दिया है।

## नीतीश से मिलकर चिराग पासवान का बयान, फिलहाल सीएम पद के लिए कोई रिक्ति नहीं

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की है।कभी नीतीश के खिलाफ बिगुल फूंकने वाले चिराग अब उनकी तारीफ कर रहे हैं। नीतीश से मुलाकात के बाद चिराग ने कहा कि बिहार में फिलहाल सीएम पद के लिए कोई रिक्ति नहीं है। चुनाव नतीजों के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व और विजन के तहत सीएम नीतीश कुमार एक मजबूत एनडीए

सरकार का नेतृत्व करने वाले है। वहीं, तमाम अटकलों के बीच चिराग लगातार दावा कर रहे हैं कि वे नरेंद्र मोदी के हनुमान हैं। दिवंगत दलित नेता रामविलास पासवान के बेटे ने कहा कि मेरे प्रधानमंत्री मेरे दिल में रहते हैं... अगर जरूरत पड़ी तब मैं दुनिया को फाड़कर दिखा दूंगा। इस साल के अंत में बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं, इसके बाद पासवान जूनियर अपनी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के लिए अच्छी सीटें हासिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी को खुश करने की कोशिश में हैं। उनका मोदी का हनुमान वाला दावा पिछले बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान भी सुर्खियों में रहा था, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ नहीं बल्कि अलग से चुनाव लड़ा था। अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए चिराग सभी दलित समुदायों तक पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं। राज्य की आबादी में दलितों की हिस्सेदारी 16.04 प्रतिशत है और वे राज्य में किसी भी चुनाव के नतीजे तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। दूसरी ओर, बिहार में यादव के बाद पासवान दूसरी सबसे बड़ी जाति है, जो राज्य की आबादी का 5.311 प्रतिशत है।

## सभी दलों के प्रतिनिधियों को दुनिया भर में भेजने की नौबत क्यों आई? आदित्य ठाकरे ने पहलगाम अटैक को लेकर सरकार से पूछे सवाल

**मुंबई (एजेंसी)।** शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि हमारी भूमिका पहले दिन से ही स्पष्ट है... पहले दिन से विपक्ष के सारे दलों ने एक सुर में कहा था कि हम प्रधानमंत्री के साथ हैं क्योंकि हमें पाकिस्तान को दिखाना है कि हमारी ताकत क्या है और आतंक के खिलाफ हम लड़ते रहेंगे और एक साथ रहेंगे लेकिन कहीं न कहीं उन्होंने(भाजपा) राजनीति शुरू की है... राजनीति ना करते हुए सभी दलों को साथ रखना चाहिए। विदेश मंत्री को बताना चाहिए कि क्यों ऐसी नौबत आई कि आज सभी दलों के प्रतिनिधियों को दुनिया भर में भेजना पड़ रहा है? कोई भी इस बारे में बात नहीं कर रहा है कि पहलगाम में आतंकवादी आए कैसे?

केंद्र ने रविवार को सात प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों के नामों की घोषणा की, जिनमें विभिन्न दलों के राजनीतिक नेता, सांसद और पूर्व मंत्री शामिल होंगे, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' की पृष्ठभूमि में आतंकवाद से निपटने के भारत के संकल्प को सामने रखने के लिए विश्व की राजधानियों की यात्रा करेंगे। प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व बैजयंत पांडा, रविशंकर प्रसाद (दोनों भाजपा), संजय कुमार झा (जदयू), श्रीकांत शिंदे (शिवसेना), शशि थरूर (कांग्रेस), कनिमोई (द्रमुक) और सुप्रिया सुले (राकांपा-एसपी) कर रहे हैं। वे कुल 32 देशों तथा बेल्जियम के ब्रसेल्स में स्थित यूरोपीय संघ के मुख्यालय का दौरा करेंगे।

# जयशंकर पर राहुल गांधी का निशाना, उनकी चुप्पी सिर्फ बयानबाजी नहीं है, यह निंदनीय

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर पर उनकी टिप्पणी के लिए फिर से निशाना साधा है। जिसमें जयशंकर ने कहा था कि भारत ने पाकिस्तान को अपनी धरती पर आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाने के बारे में सूचित कर दिया है।

सोशल मीडिया पोस्ट में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जयशंकर की चुप्पी को निंदनीय बताया। राहुल गांधी ने लिखा, विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी सिर्फ बयानबाजी नहीं है, यह निंदनीय है। इसलिए, मैं फिर से पूछूंगा कि भारत ने कितने विमान खो दिए, क्योंकि पाकिस्तान को पता था? यह कोई चूक नहीं थी। यह एक अपराध था और देश को सच्चाई जानने का हक है।'

उन्होंने पोस्ट में लिखा था, 'हमारे हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक

रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया। इन्हें किसने अधिकृत अथोरिटाइज्ड किया? इसके परिणामस्वरूप हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए?'

राहुल गांधी द्वारा की गई पोस्ट के तुरंत बाद विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देकर इन तथ्यों को गलत तरीके से पेश करना बताया। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'विदेश मंत्री ने कहा था कि हमने पाकिस्तान को शुरुआत में ही चेतावनी दे दी थी जो कि स्पष्ट रूप से ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद का चरण है। इस गलत तरीके से शुरू होने से पहले की घटना बताया जा रहा है। तथ्यों की इस पूरी तरह से गलत प्रस्तुति की निंदा है।'

दरअसल जयशंकर ने कहा था, 'ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत में, सरकार ने पाकिस्तान को संदेश भेजा था कि हम आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं। हम सेना पर हमला नहीं कर रहे हैं। इसलिए, सेना के पास इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करने और अलग रहने का विकल्प है। उन्होंने उस अच्छी सलाह को न मानने का फैसला किया।'

## ऑपरेशन सिंदूर वाली टीम से दूरी बना रहीं ममता बनर्जी, युसुफ पठान की लगा दी क्लास

**कोलकाता (एजेंसी)।** तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ऑपरेशन सिंदूर से दूरी बना रहीं हैं। केंद्र की मोदी सरकार ने पाकिस्तान की पोल खोलने और ऑपरेशन सिंदूर का सच बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को विदेश दौरे पर भेजने का फैसला किया है। इस टीम के लीडर्स के नाम का भी ऐलान कर दिया गया है। सरकर ने टीएमसी सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान का नाम इस लिस्ट में शामिल किया था। हालांकि सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने युसुफ पठान को इस दौरे का हिस्सा बनने से मना कर दिया है।

इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल कांग्रेस नेता ने कहा, हमारा मानना है कि राष्ट्र सबसे ऊपर है, और हमने अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए जो भी आवश्यक कार्रवाई करने की जरूरत है उसके लिए केंद्र सरकार को अपना समर्थन देने का वचन दिया है। हमारे सशस्त्र बलों ने देश को गौरवान्वित किया है और हम हमेशा उनके कर्जदार रहेंगे। सीएम ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह केंद्र सरकार के इस अभियान का हिस्सा नहीं बन रही है। टीएमसी ने आधिकारिक रूप से इसकी कोई वजह नहीं बताई है। पार्टी ने केंद्र सरकार को इसकी जानकारी दे दी है। केंद्र सरकार ने ऐलान किया था कि 7 सर्वदलीय टीमों को अलग-अलग देशों के दौरे पर भेजा जाएगा। वे ऑपरेशन सिंदूर का सच बताएंगे। इसके आलाव आतंकवाद और पाकिस्तान प्रायोजित दहशतगर्दी की पोल खोलेंगे। मोदी सरकार की विदेश जाने वाली सर्वदलीय टीम में बीजेपी के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, कांग्रेस के शशि थरूर, जेडीयू के संजय कुमार,डीएमके की कनिमोझी, एनसीपी-एसपी की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीकांत शिंदे का नाम है। ये सभी अलग-अलग प्रतिनिधिमंडलों की अगुआई करेंगे। कुल 51 राजनेताओं को विदे भेजा जा रहा है। ये प्रतिनिधिमंडल 32 देशों के साथ ब्रुसेल्स में यूरोपीय यूनियन के हेडक्कार्टर का भी दौरा करेंगे।इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद, एमजे अकबर, आनंद शर्मा, वी मुरलीधरन, सलमान खुर्शीद, एसएस अहलूवालिया को भी शामिल किया गया है। ये सभी वर्तमान में संसद के सदस्य नहीं हैं। तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार को कहा कि विदेश नीति केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती है और उसे ऐसे मामलों की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

## फिर मुंबई में कोरोना ने दी दस्तक ? दो संदिग्ध मरीजों की मौत से चिंता बढ़ी

**मुंबई (एजेंसी)।** एशियाई देशों में कोरोना के फैलने की खबर ने एक बार फिर हड़कंप मचा दिया है और अब स्वास्थ्य व्यवस्थाओं ने भी एहतियात बरतना शुरू कर दिया है। इस बीच कोरोना संक्रमण ने मुंबई में भी दस्तक दे दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई के केईएम अस्पताल में दो संदिग्ध कोरोना मरीजों की मौत होने की खबर से चिंता बढ़ने लगी है। फ़िलहाल ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि मुंबई में कोरोना संक्रमण का प्रवेश हुआ है? लेकिन आशंकाएं बढ़ रही हैं क्योंकि दोनों मरीजों की मौत से पहले किए गए परीक्षणों से पता चला है कि वे कोरोना वायरस से संक्रमित थे। उधर केईएम अस्पताल ने स्पष्ट किया है कि संदिग्ध कोरोना वायरस रोगियों की मौत उनकी अंतर्निहित चिकित्सा स्थितियों के कारण हुई है। इस बीच दो मरीजों की मौत के बाद प्रशासन भी सतर्क हो गया है। चूँकि दोनों मृतक मरीजों में कोरोना के लक्षण दिख रहे थे, इसलिए उन्हें केईएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। केईएम अस्पताल के सूत्रों के

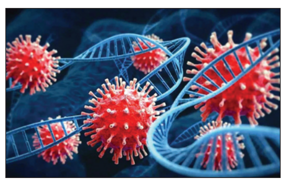

अनुसार, दोनों मरीजों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनमें बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई के लक्षण थे। उनके नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए हैं, लेकिन उनकी रिपोर्ट अभी तक उपलब्ध नहीं है। दोनों संदिग्ध कोरोना मरीजों को आईसीयू में रखा गया था। उन्हें उचित उपचार मिल रहा था। लेकिन उनकी हालत बिगड़ने के कारण उन्हें बचाना संभव नहीं हो पाया। हालांकि अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मृतकों में 58 वर्षीय महिला की मौत कैंसर से और 13 वर्षीय लड़की की मौत किडनी की बीमारी से हुई है। वहीं मुंबई महानगरपालिका ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। मरीजों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने का काम शुरू हो गया है। इसके अलावा, नागरिकों से मास्क का उपयोग करने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और हाथ धोने जैसे कदम उठाने का आग्रह किया गया है। प्रशासन ने नागरिकों को बिना घबराये सावधानी बरतने की सलाह दी है।

* पूर्व महापौर के बयान से भ्रम की स्थिति

उधर मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर के इस बयान से कि दोनों मरीजों की मौत कोरोना वायरस से हुई है, भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है और केईएम अस्पताल में दोनों मरीजों की मौत के वास्तविक कारण को लेकर भय का माहौल पैदा हो गया है।

* एशियाई देशों में बढ़ा कोरोना का आतंक

एशियाई देशों में कोरोना का खौफ अचानक बढ़ गया है। हांगकांग और सिंगापुर में कोरोना के नए स्ट्रेन के कारण मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मई के पहले सप्ताह में सिंगापुर में कोरोना मरीजों की संख्या में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

# अगर बलूचिस्तान हुआ आजाद तो भारतीय हिंदू कर सकेंगे हिंगलाज माता के दर्शन

**-यह मंदिर हिंदू धर्म के 51 शक्तिपीठों में से एक, मुस्लिम भी रखते हैं आस्था**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर और पीएम शाहबाज शरीफ की गलत नीतियों का खामियाजा आज पूरा पाकिस्तान भुगत रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर ऐसा जख्म दिया है, जिसे वह दशकों तक नहीं भूला पाएगा। वहीं, बलूचिस्तान प्रांत के लोग भी अब अत्याचार के खिलाफ खड़े हो गए हैं। बलूच विद्रोहियों ने हाल ही में ऐसी घटनाओं और अटैक को अंजाम दिया है, जिससे पूरा पाकिस्तान थर्रा गया है। बचूल लोगों ने बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग बताते हुए खुद को अलग देश घोषित कर दिया है। वहां के नेताओं का कहना है कि वे अब पाकिस्तान के साथ नहीं रह सकते हैं और बलूचिस्तान अब स्वतंत्र राष्ट्र है। इसके साथ ही बलूचों ने भारत और संयुक्त राष्ट्र से कहा कि बलूचिस्तान को एक अलग देश का दर्जा दिया जाए। यदि ऐसा होता है तो भारत लाखों करोड़ों हिन्दुओं का सपना साकार हो जाएगा।

बलूचों द्वारा आए दिन पाक सरकार को चेतावनी दी जा रही है, उससे साफ है कि अलग राष्ट्र की मांग ने जोर पकड़ लिया और वह इसे लेकर ही रहेंगे। अगर बलूचिस्तान एक स्वतंत्र देश बन जाता है, तो देश के हिंदुओं के लिए दो बड़े और ऐतिहासिक मंदिरों के द्वार खुल जाएंगे। हिंगलाज माता मंदिर और कटासराज मंदिर। जिस तरह से भारतीय सिख समुदाय के लिए करतारपुर कॉरिडोर बनाया गया और गुरुद्वारा दरबार साहिब तक पहुंच आसान हुई, ठीक उसी तरह से हिंगलाज माता और कटासराज मंदिर के द्वार भारतीय हिंदू के लिए खुल सकते हैं।

यह मंदिर भारत के हिंदुओं के लिए खास है, जहां बहुत कम भारतीय पहुंचते हैं। हिंगलाज माता मंदिर पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के लासबेला जिले में स्थित है। यह मंदिर हिंदू धर्म के 51 शक्तिपीठों में से एक है और इसे हिंगलाज शक्तिपीठ भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि जब भगवान शिव माता सती के शव को लेकर विचरण कर रहे थे, तब भगवान विष्णु ने सती के शरीर के टुकड़े किए और जहां-जहां ये गिरे वहां शक्तिपीठ बने। हिंगलाज वह स्थान है जहां माता सती का मस्तक गिरा था। यह मंदिर हिंगोल नदी के किनारे स्थित है और चारों ओर से पहाड़ियों से घिरा है। यहां की देवी को 'हिंगलाज देवी' या 'नानी मां' के नाम से जाना जाता है, खासकर सिंधी और बलूच हिंदू समुदायों में इसका विशेष महत्व है।

इस स्थान की विशेषता यह भी है कि यहां मुस्लिम समुदाय के लोग भी आस्था रखते हैं और देवी को 'नानी पीर' के रूप में मानते हैं। हिंगलाज यात्रा एक कठिन, लेकिन आध्यात्मिक रूप से अहम मानी जाती है। इसे 'हिंगलाज तीर्थयात्रा' भी कहा जाता है। इसके साथ ही पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल में स्थित कटासराज शिव मंदिर भी काफी पुराना है। यहां भारत-पाकिस्तान तनातनी की वजह से हिंदुओं की पहुंच न के बराबर है, जो बलूचिस्तान के बनने से यहां तक भारतीय हिंदू दर्शन करने जा सकेंगे। कटासराज शिव मंदिर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में स्थित है। यह मंदिर एक मंदिर-समूह का हिस्सा है, जिसमें कई अन्य छोटे मंदिर भी शामिल हैं। कटासराज मंदिर की विशेषता यहां स्थित पवित्र सरोवर है, जिसे कटास कुंड कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह सरोवर भगवान शिव के आंसुओं से बना है, जब उन्होंने

अपनी पत्नी सती के वियोग में विलाप किया था।

कटासराज मंदिर प्राचीन काल में हिंदू धर्म के शिक्षा और दर्शन के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में जाना जाता था। कहा जाता है कि पांडव अपने वनवास के दौरान यहां कुछ समय रुके थे। यह भी माना जाता है कि महान दार्शनिक और विद्वान आदि शंकराचार्य ने यहां दर्शन का प्रचार-प्रसार किया था। कटासराज मंदिर परिसर का वास्तुशिल्प हिंदू-बौद्ध शैली का अद्भुत उदाहरण है। हालांकि, विभाजन के बाद इस मंदिर में पूजा कम हो गई। हालांकि, यह आज भी पाकिस्तान में हिंदुओं के लिए एक तीर्थस्थल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### ताइवान ने टीएन कुंग चतुर्थ मिसाइलों के परीक्षण पूरे किए

**ताइपे, एजेंसी।** ताइवान ने अपनी सेना की नई टीएन कुंग चतुर्थ (स्काई बो चतुर्थ) मिसाइलों का प्रारंभिक संचालन मूल्यांकन और सीमित क्षेत्र परीक्षण पूरा कर लिया है। ताइपे टाइम्स ने एक रक्षा अधिकारी का हवाला देते हुए कहा कि टीएन कुंग चतुर्थ मिसाइल का अगले साल से बड़े पैमाने पर उत्पादन होने की उम्मीद है। एक स्रोत ने नाम न बताने की शर्त पर ताइपे टाइम्स को बताया कि, चुंगशान इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के स्ट्रॉन्ग बो कार्यक्रम द्वारा बनाई गई मिसाइलें, 70 किमी की अधिकतम ऊंचाई वाला एक नया वायु रक्षा हथियार है। सूत्रों के अनुसार- विशेष रूप से, यह पिछले टीएन कुंग तृतीय और पीएसी-3 मिसाइल सेगमेंट एन्हांसमेंट सिस्टम की तुलना में एक महत्वपूर्ण सुधार है, जिनकी अधिकतम ऊंचाई क्रमश: 45 किमी और 60 किमी है।

### रोमानिया में राष्ट्रपति पद के लिए तनावपूर्ण पुनर्मतदान

**बुखारेस्ट, एजेंसी।** रोमानिया की जनता रविवार को राष्ट्रपति पद के लिए तनावपूर्ण पुनर्मतदान में मतदान कर रही हैं, जिसमें एक कट्टर दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी और एक समर्थक पश्चिमी मध्यमार्गी के बीच मुकाबला है। यह चुनाव यूरोपीय संघ और नाटो सदस्य देश की भू-राजनीतिक दिशा निर्धारित कर सकता है। रविवार की दौड़ में अग्रणी उम्मीदवार जॉर्ज सिमियन, 38 वर्षीय, रोमानियाई लोगों की एकता के लिए कट्टर दक्षिणपंथी गठबंधन के नेता,, का मुकाबला बुखारेस्ट के मौजूदा मेयर निकुसोर डैन से है। यह चुनाव पिछले चुनाव के रद्द होने के कुछ महीनों बाद हो रहा है, जिसने रोमानिया को दशकों में अपने सबसे खराब राजनीतिक संकट में डाल दिया था। स्थानीय समयानुसार सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ और रात 9 बजे बंद हो जाएगा। विदेश में रहने वाले रोमानियाई लोग शुक्रवार से ही दूसरे देशों में स्थापित मतदान केंद्रों पर मतदान कर सकते हैं और 730,000 से अधिक लोग पहले ही मतदान कर चुके हैं। पिछले साल रोमानिया का राजनीतिक परिदृश्य तब उलट गया था जब एक शीर्ष अदालत ने चुनावी उल्लंघन और रूसी हस्तक्षेप के आरोपों के बाद पहले दौर के चुनावों में दूर-दराज के बाहरी व्यक्ति कैलिन जॉर्जेस्कु के शीर्ष पर आने के बाद पिछले चुनाव को रद्द कर दिया था, जिसे मॉस्को ने नकार दिया था।

### धमकी से नहीं रुकेगा परमाणु कार्यक्रम, ईरान बोला- अमेरिका से जारी रहेगी वार्ता

**तेहरान , एजेंसी।** ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि उनका देश परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका से वार्ता करेगा, लेकिन अमेरिकी धमकियों से अपने अधिकार नहीं छोड़ेगा। वह बोले, हम युद्ध नहीं चाहते हैं, लेकिन डरते भी नहीं। ईरान के परमाणु संगठन के प्रमुख मोहम्मद इस्लाम ने कार्यक्रम की शांतिपूर्ण प्रकृति पर जोर देते हुए कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी द्वारा 'निरंतर' निगरानी में है। वह बोले, किसी भी देश की निगरानी हमारी तरह एजेंसी द्वारा नहीं की जाती है।

### बच्ची से छेड़छाड़ में भारतीय पर्यटक को सजा

**सिंगापुर, एजेंसी।** सिंगापुर में भारतीय पर्यटक प्रमेंद्र (25) को स्विमिंग कॉम्प्लेक्स में 12 वर्षीय लड़की से छेड़छाड़ व उसे इंस्टाग्राम पर भद्दे संदेश भेजने के आरोप में 3 माह की जेल मिली है। उस पर एक बच्चे से अश्लील कृत्य करने व 14 वर्ष से कम उम्र के एक बच्चे से छेड़छाड़ में भी दोषी ठहराया गया। उसे सजा सुनाते समय तीसरे आरोप को भी ध्यान में रखा गया। प्रमेंदर ने पीड़िता का पीछा भी किया।

### मुरीदके आतंकी मुख्यालय का फिर से होगा निर्माण

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग ने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुई मुरीदके स्थित जमात-उद-दावा के मुख्यालय का पुनर्निर्माण कराने का आश्वासन दिया है। पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग, आतंकी संगठन जमात-उद-दावा की एक राजनीतिक शाखा है। यह लश्कर-ए-ताइबा का मुखौटा संगठन है। इसने भारत के कई हिस्सों में आतंकवादी हमले किए हैं, जिनमें 2008 में हुआ भयावह 26/11 मुंबई हमला भी शामिल है।

### अरब लीग शिखर सम्मेलन में गाजा का मुद्दा शीर्ष पर

**बगदाद, एजेंसी।** इराक की राजधानी में अरब लीग के वार्षिक शिखर सम्मेलन में क्षेत्रीय नेताओं की बैठक में गाजा युद्ध का मुद्दा अहम रहा। काहिरा में मार्च में हुए एक आपात शिखर सम्मेलन में अरब नेताओं ने गाजा पट्टी के 20 लाख लोगों को विस्थापित किए बिना पुनर्निर्माण योजना पर अपनी बात रखी थी। इसके बाद बगदाद में हो रहे इस शिखर सम्मेलन में गाजा पर जारी व्यापक हमलों का विरोध करते हुए युद्धविराम पर जोर दिया गया। हालांकि इस सम्मेलन के रंग को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दौरे ने फीका कर दिया है, क्योंकि उनके दौरे के दौरान युद्धविराम पर उम्मीद के मुताबिक कोई समझौता नहीं हुआ है।

### वैचारिक स्पष्टता के बिना वामपंथी एकता प्रतिकूल नतीजे देगी : नेपाली पीएम ओली

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शनिवार को आगाह किया कि साझा वैचारिक आधार के बिना वामपंथी ताकतों को एकजुट करना कम्युनिस्ट आंदोलन के लिए हानिकारक हो सकता है।पुण्यतिथि पर एक कार्यक्रम में ओली बोले, उचित वैचारिक समझ के बिना वामपंथी एकता में लाना निरर्थक होगा।

# फिलिस्तीन और मिस्र की इजरायल से अपील, तुरंत रोके गाजा पर हमले

**बगदाद, एजेंसी।** फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने गाजा पट्टी में तत्काल और स्थायी युद्धविराम का आग्रह किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को इराक की राजधानी बगदाद में आयोजित 34वें अरब लीग शिखर सम्मेलन में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इजरायली सैन्य अभियानों को रोकने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए अरब योजना को अपनाने का आह्वान किया। अब्बास ने इस बात पर जोर दिया कि इजरायली कब्जे को समाप्त करके और फिलिस्तीनी लोगों के पूर्ण अधिकारों को सुनिश्चित करके ही स्थायी शांति प्राप्त की जा सकती है। मार्च में युद्धविराम का समझौता टूटने के बाद से इजरायल ने गुरुवार से अब तक सबसे घातक बमबारी में सैकड़ों फिलिस्तीनियों को मार डाला। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को मध्य पूर्व का दौरा समाप्त किया। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने पिछले 19 महीने से गाजा में फिलिस्तीनियों पर किए गए अत्याचार और हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए हिंसक अभियान का उद्देश्य गाजा की आबादी को समाप्त करना बताया। अल-सीसी ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से अमेरिका से गाजा में मानवीय संकट को समाप्त करने के लिए कड़े कदम उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने शत्रुता समाप्त होने के

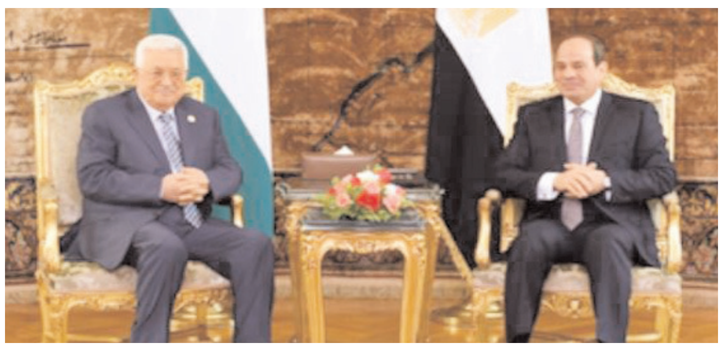

बाद गाजा की शीघ्र पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने की मिस्र की प्रतिबद्धता भी दोहराई। शिखर सम्मेलन की समाप्ति के बाद, गाजा में हमास संचालित मीडिया कार्यालय ने उपस्थित लोगों से गाजा पर अन्यायपूर्ण नाकाबंदी को तोड़ने और प्रतिदिन होने वाली हत्याओं को रोकने का आह्वान किया। गाजा के लोग अब भुखमरी के खतरे का सामना कर रहे हैं। इसके लिए क्रॉसिंग को तत्काल और बिना शर्त खोलने, गाजा के लोगों को भोजन, मानवीय सहायता और चिकित्सा सहायता पहुंचाने के लिए इजरायल पर दबाव बढ़ाने का आग्रह किया गया।

लेबनान के प्रधान मंत्री नवाफ सलाम ने अपने संबोधन में, इजरायल की शत्रुता की निंदा की और उस पर नियंत्रण के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आगे आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इजरायल की तरफ से हो रहे लगातार हमले पिछले साल नवंबर के अंत में दोनों पक्षों के बीच हुई सहमति का उल्लंघन है। सलाम ने आगे कहा, प्यारे भाइयों, हम आपसे, अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर दबाव डालने का आह्वान करते हैं ताकि इजरायल को अपने आक्रमणों को समाप्त करने और सभी लेबनानी क्षेत्रों से पूरी तरह से हटने के लिए मजबूर किया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र सहायता प्रमुख टॉम फ्लेचर ने इस सप्ताह सुरक्षा परिषद से पूछा कि क्या वह नरसंहार को रोकने के लिए कार्रवाई करेगी। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने युद्ध के बाद अरब देशों के पुनर्निर्माण में मदद के लिए एक कोष बनाने की घोषणा की, जिसमें गाजा और लेबनान के लिए 20-20 मिलियन डॉलर की शुरुआती राशि देने का वादा किया गया, जहां पिछले साल हिजबुल्लाह समूह के खिलाफ इजरायली अभियान में दक्षिणी हिस्से का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया था। शिखर सम्मेलन में 22 अरब लीग सदस्य देशों के नेताओं और शीर्ष राजनयिकों के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 2003 के अमेरिकी आक्रमण के बाद इराक की तरफ से आयोजित यह दूसरा आयोजन है। पहला आयोजन 2012 में हुआ था। इजरायल ने छह सप्ताह के युद्ध विराम के बाद गाजा पर फिर से सैन्य अभियान की शुरुआत कर दी है। इजरायल का आरोप है कि हमास, आतंकवादियों के बीच काम करता है। हालांकि शिखर सम्मेलन में मौजूद नेताओं ने इसका विरोध किया। इजरायल का घोषित लक्ष्य हमास की सैन्य और सरकारी क्षमताओं को खत्म करना है। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला किया था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था।

गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायल सैन्य अभियान ने क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाके को तबाह कर दिया है। 2.3 मिलियन निवासी अपना घर छोड़ने को मजबूर हैं और 53,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इजरायल पर युद्ध विराम वार्ता फिर से शुरू करने और गाजा में खाद्य और चिकित्सा आपूर्ति की अनुमति देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है।

## अमेरिका में भीषण तूफान, 27 लोगों की मौत-6.50 लाख घरों की बिजली गुल; केंटकी और मिसौरी समेत 12 राज्यों में असर

**केंटकी और मिसौरी, एजेंसी।** अमेरिका में भीषण तूफ़ान से पिछले 48 घंटों में 27 लोगों की मौत हो गई। इसका मिसौरी और दक्षिण-पूर्वी केंटकी समेत 7 राज्यों में सबसे ज्यादा असर हुआ है। 27 में से 18 मौतें केंटकी में, 7 मौतें मिसौरी में और 2 मौतें नॉर्थ वर्जीनिया में हुईं। मौत का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। पॉवरआउटेज.यूएस के मुताबिक, शनिवार सुबह तक 12 राज्यों में लगभग 6.60 लाख घर में बिजली सप्लाई ठप पड़ गई। तूफ़ान के दौरान 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। कई घरों की छत और दीवार हवा में उड़ गई। शहर के शहर मलबे में बदल गए। हजारों लोग बेघर हो गए हैं। हजारों लोगों को राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया है।

**केंटकी - लौरल काउंटी में सबसे अधिक नुकसान :** शनिवार की सुबह केंटकी के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित लौरल काउंटी तूफ़ान से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। इस क्षेत्र में कई घर पूरी तरह से नष्ट हो गए, पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे ज़मीन पर गिर गए। केंटकी के गवर्नर के कार्यालय ने पुष्टि की है कि राज्य में 14 लोगों की मौत हुई है। आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, राहत कार्य तेजी से जारी हैं, लेकिन कई इलाकों तक पहुँचना अभी भी मुश्किल है। तूफ़ान के दौरान 150 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से हवाएं चलीं, जिससे कई घरों की छतें उड़ गईं और इमारतें ढह गईं।

मिसौरी में शुक्रवार को आए तूफ़ान ने विशेष रूप से सेंट लुई शहर को प्रभावित किया। यहां पांच लोगों की मौत हुई है, जिनमें एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं। मिसौरी प्रशासन ने जानकारी दी है कि तूफ़ान के कारण लगभग पांच हज़ार इमारतों को नुकसान पहुँचा है। सड़कों पर मलबा फैला हुआ है, कारें पलट गई हैं और कई जगहों पर बिजली आपूर्ति ठप है। सेंट लुई में लगभग एक लाख घरों में पावर कट की स्थिति बनी हुई है। अग्निशमन विभाग और स्थानीय पुलिस घर-घर जाकर नुक़सान का जायज़ा ले रही है। आपदा प्रबंधन एजेंसियां, स्थानीय पुलिस, अग्निशमन दल और नेशनल गार्ड तूफ़ान प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान चला रहे हैं। प्राथमिकता उन क्षेत्रों को दी जा रही है जहाँ फंसे हुए लोगों के संकेत मिले हैं। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने के लिए जेसीबी और ड्रोन की मदद ली जा रही है।

## कैमरे पर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान की अजीब हरकत कैद, छटपटाते दिखे मैक्रों

**तिराना, एजेंसी।** अल्बानिया में यूरोपीय पॉलिटिकल समिट के दौरान तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन की अजीब हरकत कैमरे में कैद हुई है। उनकी हरकत से फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रों काफी असहज दिखे। गंभीर कूटनीतिक माहौल के बीच 13 सेकंड की इस घटना ने माहौल पूरी तरह से बदल दिया। मामला यूं है कि मंच पर जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एर्दोआन से हाथ मिलाया, तो शायद उन्होंने नहीं सोचा था कि ये सामान्य-सी हैंडशेक अचानक एक 'साइलेंट पावर प्ले' में बदल जाएगी। एर्दोआन ने न सिर्फ मैक्रों की उंगली थाम ली, बल्कि पूरे 13 सेकंड तक उसे नहीं छोड़ा। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एर्दोआन पहले मैक्रों से हाथ मिलाते हैं, फिर उनके हाथ को थपथपाते हैं। लेकिन तभी मामले में अजीब मोड़ आया, मैक्रों जैसे ही दूसरी ओर ध्यान देते हैं, एर्दोआन उनके इंडेक्स फिंगर को कसकर पकड़ लेते हैं और करीब 13 सेकंड तक नहीं छोड़ते। मैक्रों असहज दिखते हैं, मुस्कुराते हैं, हाथ छुड़ाने की कोशिश करते हैं, मगर एर्दोआन शांति से बैठे उनकी उंगली को पकड़े रखते हैं। तुर्की मीडिया ने दावा किया है कि मैक्रों ने बातचीत के दौरान एर्दोआन के कंधे पर हाथ रखकर 'मनोवैज्ञानिक बढ़त' लेने की कोशिश की थी।

# मेक्सिकन नेवी शिप न्यूयॉर्क में ब्रुकलिन ब्रिज से टकराया, 19 लोग घायल, 2 की मौत

**न्यूयॉर्क , एजेंसी।** अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में शनिवार शाम को एक बड़ा हादसा हुआ जब मैक्सिकन नौसेना का जहाज 'कुआउतेमोक' ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। इस हादसे में जहाज पर सवार कम से कम 19 लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की पुष्टि न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने एक प्रेस ब्रीफिंग में की है। यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात 8:26 बजे हुई, जब जहाज ब्रुकलिन ब्रिज के नीचे से गुजरने का प्रयास कर रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में हादसे के ठीक पहले के क्षण कैद हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि जहाज ब्रिज के काफी नजदीक पहुंच जाता है और उसके 147 फीट ऊंचे दो मस्तूल पुल से टकरा जाते हैं। जहाज रोशनी से सजा हुआ था और उसपर अधिकतर कैडेट सवार थे। टक्कर के समय कुआउतेमोक जहाज के ऊपरी हिस्से पर कई सफेद ड्रेस में नाविक मौजूद थे, जो टक्कर लगते ही नीचे गिरने लगे। कुछ ने मस्तूल को पकड़कर गिरने से बचने की कोशिश की। घटनास्थल पर मौजूद लोग भी डर के मारे इधर-उधर भागते नजर आए। न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, दुर्घटना के तुरंत बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। अभी तक सभी घायलों की पहचान

उजागर नहीं की गई है, लेकिन सभी चोटें जहाज पर सवार लोगों को ही आई हैं। हादसे की वास्तविक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। आपको बता दें कि मैक्सिकन नौसेना का एक प्रतिष्ठित प्रशिक्षण पोत है, जो अक्सर अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों का दौरा करता है और नौसैनिक कैडेटों को प्रशिक्षण देने के लिए उपयोग में लाया जाता है। इसमें कुल 277 लोग सवार थे, जिनमें नाविक, अधिकारी और कैडेट शामिल थे। 277 लोगों को लेकर चला था मेक्सिकन जहाज कुआउतेमोक जहाज 297 फीट लंबा और 40 फीट चौड़ा है। यह 1982 में पहली बार चला था। हर साल नेवल स्कूल की कक्षाएं खत्म होने के बाद यह कैडेट्स की ट्रेनिंग के लिए रवाना होता है। इस साल 6 अप्रैल को यह मेक्सिको के अकापुल्को बंदरगाह से 277 लोगों के साथ रवाना हुआ था। जहाज को 15 देशों के 22 बंदरगाहों, जैसे किंग्स्टन (जमैका), हवाना (क्यूबा), सेंट मालो, डंकर्क (फ्रांस), और एबरडीन (स्कॉटलैंड) में रुकना था।

## डोनाल्ड ट्रंप ने शांति स्थापित कराने का झूठा दावा किया : खामेनेई

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाल में किए उस दावे को झूठा करार दिया है। ट्रंप ने कहा था कि वह शांति सुनिश्चित करने के लिए अपने पावर का इस्तेमाल करना चाहते हैं। खामेनेई ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि गाजा पट्टी में हो रही हत्याओं को ट्रंप प्रशासन का समर्थन प्राप्त है। अयातुल्लाह अली खामेनेई ने शनिवार को तेहरान में शिक्षकों के साथ एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में उन्होंने पश्चिम एशिया के अपने दौरे के दौरान क्षेत्र में शांति की स्थापना के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया दी।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ईरना के अनुसार, शनिवार को तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियां वक्ता और अमेरिकी राष्ट्र दोनों का अपमान हैं। ईरानी नेता ने कहा, ट्रंप ने कहा कि वह शांति के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करना चाहते हैं और यह उन्होंने झूठ बोला।

उन्होंने, अन्य अमेरिकी अधिकारियों और अमेरिकी प्रशासन ने गाजा में हत्याओं को पूरा समर्थन दिया, उन्होंने किसी भी स्थान पर युद्ध भड़काने और अपने भाड़े के सैनिकों का समर्थन करने के लिए सत्ता का इस्तेमाल किया है।

अली खामेनेई ने इजरायल पर दिए अपने पूर्व के बयानों को दोहराया और उसे क्षेत्र का घातक और खतरनाक कैंसर बताते हुए उखाड़ फेंके जाने की आवश्यकता बताई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्रीय देशों के दृढ़ संकल्प और प्रयासों के साथ, अमेरिका को इस क्षेत्र को अवश्य छोड़ना चाहिए। इस सप्ताह की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में स्थित तीन खाड़ी अरब देशों - सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था।

मंगलवार को सऊदी की राजधानी रियाद में दिए एक बयान में ट्रंप ने ईरान को मध्य पूर्व में सबसे विनाशकारी शक्ति बताया था और उस पर क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिका ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। हालांकि, ट्रंप ईरान के साथ एक ऐसे सौदे से बचना चाहते हैं जो संयुक्त व्यापक कार्य योजना की तरह हो, जिस पर बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान सहमति बनी थी। इसमें यूरोपीय संघ और चीन भी शामिल थे। ट्रंप ने 2018 में संयुक्त व्यापक कार्य योजना से खुद को अलग कर लिया था और तेहरान पर फिर से प्रतिबंध लगाए थे। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने शनिवार को कहा कि देश शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम के अपने अधिकार को नहीं छोड़ेगा।

## अब बांग्लादेश में भारत के खिलाफ साजिश, तुर्की समर्थित इस्लामी ग्रुप ने नक्शे में दिखाए कई राज्य

**ढाका, एजेंसी।** भारत के पूर्वी पड़ोसी बांग्लादेश में तुर्की की गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। तुर्की यहां पाकिस्तान जैसी रणनीति अपनाने की कोशिश में है। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद 'सल्तनत-ए-बांग्ला' नाम से एक कथित तुर्की समर्थित इस्लामी समूह राजधानी ढाका में देखा गया है। इस समूह ने एक विवादास्पद नक्शा जारी किया है। इस नक्शे में तथाकथित ग्रेटर बांग्लादेश दिखाया गया है, जिसमें म्यांमार के अराकान राज्य के साथ-साथ भारत के बिहार, झारखंड, ओडिशा और समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र को शामिल किया गया है। इकॉनोमिक टाइम्स की रिपोर्ट्स के अनुसार, कथित तुर्की एनजीओ समर्थित 'सल्तनत-ए-बांग्ला' नामक इस इस्लामी समूह ने ढाका में विश्वविद्यालय परिसरों और युवाओं व छात्रों के बीच लोकप्रिय स्थानों पर यह नक्शा प्रदर्शित किया। यह नक्शा पहली बार अप्रैल 2025 में ढाका विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम के दौरान देखा गया था, जहां इसे 'सल्तनत-ए-बांग्ला' के एक समारोह में प्रदर्शित किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रयास युवाओं के बीच एक अलग तरह की वैचारिक सोच को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। इससे पहले भी, मोहम्मद यूनुस सरकार के करीबी कुछ लोगों ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को बांग्लादेश में मिलाने की मांग की थी। पिछले साल मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में आई सरकार के बाद से तुर्की ने बांग्लादेश में अपनी

मौजूदगी बढ़ाई है। तुर्की ने बांग्लादेशी सेना को सैन्य साजोसामान की आपूर्ति का प्रस्ताव दिया है और इसके साथ ही तुर्की की सत्तारूढ़ पार्टी एकेपी से जुड़े एनजीओ भी बांग्लादेश में काफी सक्रिय हो गए हैं। कूटनीतिक सूत्रों का दावा है कि पाकिस्तान की भूमिका तुर्की और बांग्लादेश को करीब लाने में अहम रही है। अगस्त 2024 से ही दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग में अचानक तेजी देखी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि बांग्लादेश के इस्लामी संगठनों पर मुस्लिम ब्रदरहुड की विचारधारा का असर बढ़ रहा है। इसके साथ ही, तुर्की के एनजीओ किस स्तर तक बांग्लादेश की नीति और युवाओं की मानसिकता को प्रभावित कर रहे हैं, इस पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। भारत की सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह घटनाक्रम गंभीर चिंता का कारण है। ग्रेटर बांग्लादेश जैसे विचारों का प्रचार न केवल भारत की क्षेत्रीय अखंडता को चुनौती देता है।

# घबराए पाकिस्तान ने फिर उतारी भारत की नकल, बिलावल भुट्टो विदेश में शांति प्रतिनिधिमंडल का करेंगे नेतृत्व

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** घबराए पाकिस्तान ने भारत की नकल करते हुए अपने प्रतिनिधिमंडल को विदेश भेजने का फैसला किया है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी से विदेशी राजधानियों में तथाकथित अपना शांति का मामला पेश करने को कहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 7 से 10 मई तक चार दिनों तक चली सैन्य झड़प में अपमान का सामना करने वाला पाकिस्तान, भारत के हर कदम को फॉलो कर रहा है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नकल करते हुए शहबाज शरीफ सेना का हौसला बढ़ाने पहुंचे तो अब भुट्टो से वैश्विक मंच पर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है। इसकी घोषणा करते हुए भुट्टो ने एक्स पर कहा कि शहबाज शरीफ ने उनसे संपर्क किया था, जिन्होंने उनसे एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए कहा था। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, आज सुबह प्रधानमंत्री सीएम शहबाज ने मुझसे संपर्क किया, जिन्होंने अनुरोध किया कि मैं अंतरराष्ट्रीय मंच पर शांति के लिए पाकिस्तान का पक्ष रखने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूं। मैं इस जिम्मेदारी को स्वीकार करने और इन चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। यह तब हुआ जब भारत सरकार ने 7 सांसदों को नियुक्त देशों में संबंधित प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने और आतंकवाद के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता नीति और पहलगाम आतंकी हमले के बारे में भारत के साक्ष्य और रुख को प्रस्तुत करने के लिए चुना है, जिसके कारण ऑपरेशन सिंदूर हुआ। कांग्रेस नेता शशि थरूर, भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद, जम्मू-कश्मीर के

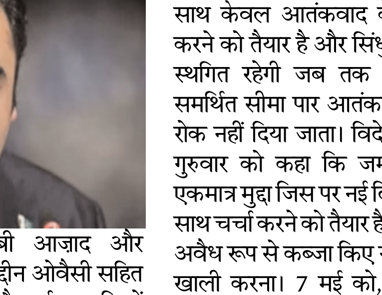

पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आज़ाद और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी सहित सांसदों, राजनीतिक नेताओं और पूर्व राजनयिकों वाले सात भारतीय प्रतिनिधिमंडल उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया की प्रमुख राजधानियों की यात्रा करने वाले हैं।हालांकि, भारत के विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि भारत पाकिस्तान के साथ केवल आतंकवाद के मुद्दे पर बातचीत करने को तैयार है और सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक कि इस्लामाबाद से समर्थित सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह से रोक नहीं दिया जाता। विदेश मंत्री जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर से जुड़ा एकमात्र मुद्दा जिस पर नई दिल्ली इस्लामाबाद के साथ चर्चा करने को तैयार है, वह है पाकिस्तान के अवैध रूप से कब्जा किए गए क्षेत्र के हिस्सों को खाली करना। 7 मई को, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को धूल में मिटा दिया। इससे दोनों पक्षों के बीच चार दिनों तक भीषण सशस्त्र टकराव हुआ, जिसमें ड्रोन, मिसाइल और लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल किया गया, जब तक कि 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति नहीं बन गई। हाल ही में पाकिस्तान ने भारत की नकल तब की थी, जब उनके प्रधानमंत्री ने सियालकोट में एक सैन्य अड्डे का दौरा किया था, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कदम की नकल था, जो पंजाब के आदमपुर एयरबेस गए थे और वायु योद्धाओं और जवानों से बातचीत की थी। पृष्ठभूमि में एस-400 वायु रक्षा प्रणाली के साथ उन्हें संबोधित किया - जिसे पाकिस्तान ने मार गिराने का दावा किया था। शहबाज शरीफ ने भी सियालकोट बेस का दौरा किया और पाकिस्तानी सेना के सैनिकों को संबोधित किया, चार दिनों की संक्षिप्त हवाई लड़ाई में भारत के खिलाफ एक दिखावटी जीत का दावा किया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

**भाजपा के वार्ड नंबर 8 के महासचिव और उसके मित्र OYO होटल में ले जाकर उसके साथ गैंगरेप किया**

# आदित्य उपाध्याय और उसके मित्र गौरवसिंह राजपूत ने 23 वर्षीय युवती को नशीला पेय पिलाया,OYO होटल में गैंगरेप किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भाजपा के महासचिव ने अपने दोस्त के साथ मिलकर एक युवती को नशीला पेय पिलाया और फिर उसे OYO होटल में ले जाकर उसके साथ गैंगरेप किया।

बीच पर चलने का कहकर युवती को बुलाया और कार में उसे नशीली कोल्डड्रिंक पिलाई।

सूरत में, भाजपा के वार्ड नंबर 8 के महासचिव आदित्य उपाध्याय और उसके मित्र गौरवसिंह राजपूत ने 23 वर्षीय युवती को नशीला पेय पिलाया और उसे अर्ध-बेहोशी की हालत में कार से जहांगीरपुरा स्थित एक OYO होटल में ले गए। वहां दोनों ने युवती के साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। होश में आने के बाद युवती ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

इस मामले में युवती के बयान के आधार पर जहांगीरपुरा पुलिस ने आरोपी गौरवसिंह राजपूत और आदित्य उपाध्याय के खिलाफ बी.एन.एस. 2023 की धारा 70(1), 75(2), 123 के तहत गैंगरेप का मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस होटल के सीसीटीवी फुटेज, कार की जानकारी, कॉल रिकॉर्ड और युवती के बयानों के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

ભારતીય જનતા પાર્ટી
સુરત મહાનગર

તા. ૧૯/૦૫/૨૦૨૫

પ્રતિ,
આદિત્ય ઉપાધ્યાય
મહામંત્રી, વોર્ડ ૮ સુરત મહાનગર
અધ્યક્ષ, યુવા મોરચો વાર્ડ ૮ સુરત મહાનગર

વિષય : ભારતીય જનતા પાર્ટીના પ્રાથમિક તથા સક્રિય સભ્ય પદેથી સસ્પેન્ડ કરવા બાબત
નમસ્કાર,

ગુનાહિત પ્રવૃત્તિમાં તમારું નામ ખુલતા તમારી ઉપર પોલીસ કાર્યવાહી કરવામાં આવી છે, અને તમારી સામે ગુનો નોંધવામાં આવ્યો છે. તમને પક્ષના પ્રાથમિક તથા સક્રિય સભ્ય અને તમામ પદ ઉપરથી તાત્કાલિક સસ્પેન્ડ કરવામાં આવે છે.

લી.
(પરેશ પટેલ)
પ્રમુખશ્રી
ભારતીય જનતા પાર્ટી
સુરત મહાનગર

"પંડિત દીનદયાળ ભવન", ભારતીય જનતા પાર્ટી કાર્યાલય, ઉધના મેઈન રોડ, સુરત-૩૯૪૨૧૦. (ગુજરાત)
e-mail :- bjpsurat2@gmail.com

मुख्य आरोपी आदित्य उपाध्याय स्थानीय भाजपा में वार्ड नंबर 8 के महासचिव के रूप में कार्यरत था। जब यह पूरा मामला सामने आया, तो सूरत में इस पर भारी चर्चा शुरू हो गई, जिसके चलते भाजपा सूरत शहर अध्यक्ष परेश पटेल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आदित्य उपाध्याय को पार्टी से सस्पेंड कर दिया है।

जो भाजपा के वार्ड नंबर 8 के महासचिव के रूप में कार्यरत था। शुरुआत में सामान्य बातचीत के बाद दोनों के बीच संवाद गहरा होता गया। कुछ दिनों बाद दूसरे युवक आदित्य उपाध्याय की ओर से भी फ्रेंड रिक्वेस्ट आई, जिसे युवती ने स्वीकार कर लिया और उसके साथ भी मैसेज और बाद में फोन पर बातचीत शुरू हो गई। इस तरह युवती की दोनों युवकों से दोस्ती हो गई थी। कुछ ही दिनों में युवती ने दोनों को अपना मोबाइल नंबर दे दिया, जिसके बाद फोन पर अक्सर बातचीत होने लगी।

गौरवसिंह और आदित्य उपाध्याय ने उसे घुमाने के लिए बीच पर चलने को कहा था, जिस पर वह दोनों के साथ बीच पर चली गई थी। हालांकि, आरोपियों ने पूर्व नियोजित तरीके से उसका विश्वास जीतकर उसे किसी अनजान बीच पर ले गए। वहां पहुंचने के बाद उन्होंने उसे पीने के लिए कोल्डड्रिंक दी। यह पेय पीने के बाद युवती कमजोर और अर्ध-बेहोश सी हो गई थी। यह देख दोनों युवक उसे जहांगीरपुरा केनाल रोड स्थित OYO होटल में ले गए, जहां युवती की अनुमति के बिना दोनों ने बारी-बारी से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और गैंगरेप किया। दुष्कर्म के बाद आरोपी युवती को फिर से कार में बैठाकर उसके घर के पास छोड़कर भाग गए। होश में आने के बाद युवती ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया और पूरी घटना की जानकारी दी।

# माथाभारे समीर मांड़वा पर सार्वजनिक स्थान पर फायरिंग, 4 लोगों द्वारा हमले की आशंका।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में अपराध जगत के मुखिया माने जाने वाले समीर मांड़वा पर चार शख्सों ने सार्वजनिक सड़क पर फायरिंग की। हमले के वक्त समीर मांड़वा सड़क पर खड़ा था, लेकिन उसे कोई चोट नहीं आई। पुलिस के प्राथमिक अनुमान के अनुसार, यह हमला हाल की पुरानी दुश्मनी के कारण किया गया है। लेकिन मुख्य बात यह है कि समीर मांड़वा का आपराधिक इतिहास रहा है और पुलिस ने उस पर पहले भी सख्त कार्रवाई की है, जिसमें उसकी गैरकानूनी संपत्ति पर बुलडोजर चलाया गया था।

लालगेट थाना क्षेत्र में हुई इस फायरिंग की घटना के मामले में दर्ज शिकायत के अनुसार, तीन से चार व्यक्ति सड़क पर आए और सीधे समीर मांड़वा की ओर फायरिंग की। हमले को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। इस घटना में समीर को कोई चोट नहीं आई। पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और फायरिंग के बाद मिली गोली को जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। समीर मांड़वा पर लूट, धमकी, मारपीट जैसे गंभीर अपराधों के कई केस लालगेट और आसपास के इलाकों में दर्ज हैं। पुलिस के रिकॉर्ड में उसका आपराधिक इतिहास गहरा है और वह लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों के जरिए कानून का उल्लंघन कर रहा है।

पुलिस ने पहले भी समीर मांड़वा के खिलाफ बड़ा कदम उठाया था, उसकी लालगेट क्षेत्र में अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाया गया था। शहर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'माफिया-मुक्ति अभियान' के तहत उसकी संपत्ति को नष्ट किया गया था। वर्तमान फायरिंग की घटना का कारण समीर मांड़वा की पुरानी रंजिश हो सकता है। फिलहाल आरोपी अभी तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं, लेकिन पुलिस का दावा है कि संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही गिरफ्तारी संभव है।

# हरनी बोटकांड के पीड़ितों ने भाजपा के लिए प्रवेश बंदी का बैनर लगाकर विरोध जताया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा शहर के हरणी बोटकांड के पीड़ितों ने अपने घर के बाहर बैनर लगाकर भाजपा के लिए प्रवेश बंदी की घोषणा की। वे प्रशासन की कार्यप्रणाली से नाराज़ हैं क्योंकि बोटकांड के पीड़ितों को डेढ़ साल बाद भी न्याय नहीं मिला है। पीड़ितों को बार-बार नजरबंदी कर परेशान किया जा रहा है। हरणी बोटकांड की घटना को डेढ़ साल हो चुके हैं, फिर भी पीड़ितों को न्याय नहीं मिला है। मुख्यमंत्री तक अपनी मांगें पहुँचाने के बाद भी पीड़ित न्याय के लिए भटक रहे हैं। अंततः पीड़ितों ने भाजपा नेताओं के लिए प्रवेश बंदी का प्रदर्शन करते हुए बैनर लगाए।

मिली जानकारी के अनुसार, वडोदरा में डेढ़ साल पहले हरणी लेक में एक नाव पलटने की घटना में 12 बच्चों की मौत हुई थी और 14 निर्दोष लोग इस दुर्घटना के शिकार बने थे। इस बोटकांड के बाद बच्चों के परिवार न्याय की मांग लेकर सड़कों पर उतरते हैं, तो पुलिस उन्हें पकड़ती है। जब मुख्यमंत्री या गृह मंत्री किसी कार्यक्रम के लिए आने वाले होते हैं, तो परिवारों को नजरबंद कर परेशान किया जाता है। इसी वजह से पीड़ित परिवारों ने अपने घरों पर बैनर लगाकर भाजपा नेताओं और अधिकारियों के लिए प्रवेश बंदी का प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब निर्णय लिया है कि आगे से कोई भी भाजपा से कोई व्यवहार नहीं करेगा।

**खेलते-खेलते 3 साल की बच्ची ने दो सिक्के निगल लिए।**

# डॉक्टरों ने 20 मिनट में एंडोस्कोपी के जरिए उन्हें बाहर निकालकर बच्ची को नया जीवन दिया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 3 साल की बच्ची ने घर पर खेलते-खेलते दो सिक्के निगल लिए थे। बच्ची को इलाज के लिए सूरत की डायमंड अस्पताल में ले जाया गया, जहां जांच में पता चला कि उसकी अन्ननली में एक और दो रुपए के दो सिक्के फंसे हुए हैं। इसके बाद तुरंत एंडोस्कोपी की गई और 20 मिनट में सिक्के बाहर निकालकर बच्ची को तकलीफ से राहत दिलाई गई।

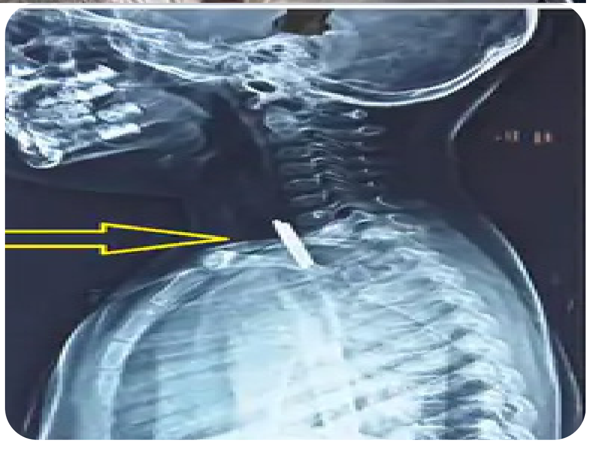

सूरत डायमंड एसोसिएशन स्वास्थ्य समिति द्वारा संचालित मातृश्री रामुबा तेजाणी और मातृश्री शांताबा विडिया अस्पताल (डायमंड अस्पताल) में रात 8:30 बजे कपोदरा क्षेत्र की साईनाथ सोसाइटी में रहने वाली 3 वर्षीय मरीज मानवी सरजीत राय को दूसरी अस्पताल से इलाज के लिए डायमंड अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में लाया गया था।

मरीज के एक्स-रे से पता चला कि बच्ची के गले से नीचे अन्ननली में दो सिक्के फंसे हुए हैं, जिसकी वजह से उसे गले में लगातार दर्द हो रहा था और अन्ननली ब्लॉक हो जाने से वह कुछ भी निगल नहीं पा रही थी। अस्पताल के डॉक्टरों ने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए तुरंत उपचार शुरू किया। अस्पताल के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, एनेस्थेटिस्ट और ऑपरेशन थिएटर स्टाफ ने एंडोस्कोपी करने का निर्णय लिया।

डॉक्टरों की टीम ने 20 मिनट में एंडोस्कोपी कर बच्ची की अन्ननली से एक रुपए और दो रुपए के दो फंसे हुए सिक्के निकालकर उसे दर्द से राहत दिलाई। बच्ची के परिजनों के अनुसार, वह घर पर खेलते-खेलते सिक्के निगल गई थी। इसके बाद वे उसे एक अन्य अस्पताल ले गए, जहां एक्स-रे करने पर पता चला कि सिक्के उसके गले में फंसे हैं, लेकिन वहां इलाज का खर्च 30 से 35 हजार रुपये बताया गया था।

परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण बच्ची को बाद में डायमंड अस्पताल लाया गया। डायमंड अस्पताल में मरीज को रियायती दर पर समय पर आवश्यक इलाज प्रदान किया गया, जिससे बच्ची को दर्द से राहत मिली। आज ही उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और बच्ची के परिवार में खुशी का माहौल देखने को मिला। परिवार ने डायमंड अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ का दिल से आभार व्यक्त किया।

**एसओजी पुलिस को बड़ी सफलता मिली**

# 13 लाख रुपये के प्रतिबंधित एमडी ड्रग्स के साथ एक व्यक्ति पकड़ा गया

**आरोपी पहले भी शराब मामले में गिरफ्तार हो चुका था।**

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में नशे की तस्करी पर सख्त कार्रवाई कर रही एसओजी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शहर के जहांगीरपुरा इलाके से एक व्यक्ति को 129 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा गया है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 13 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस की जानकारी के अनुसार, आरोपी बाइक पर एमडी ड्रग्स लेकर जा रहा था और उस ड्रग्स को वरियाव इलाके में किसी को देने जा रहा था। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर वहां छापेमारी की गई और एक व्यक्ति को दबोच लिया गया।

नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए पूछताछ

आरोपी की पहचान सफियान उर्फ सीबू हुसैनशेख के रूप में हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी पहले भी एमडी ड्रग्स और शराब के मामलों में पकड़ा जा चुका है। पुलिस ने आरोपी से बाइक सहित अन्य सामग्री भी जब्त की है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है कि यह ड्रग्स किसे पहुंचाना था और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। पूरे नेटवर्क तक पहुंचने के लिए एसओजी द्वारा कड़ी पूछताछ जारी है।

पुलिस द्वारा यहां से ड्रग्स के जखीरे के साथ पकड़े गए व्यक्ति से कड़ी पूछताछ की जा रही है और शक है कि आरोपी के पीछे एक बड़ा नशे का गैंग सक्रिय है। पुलिस ने सभी संबंधों की जांच शुरू कर दी है।

# सामूहिक बलात्कार के मामले में दोषी 25 वर्षीय व्यक्ति कैद की सजा काट रहा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गैंगरेप के गंभीर अपराध में 25 साल की कैद काट रहे आरोपी रामुसिंह सिकरवार को सुरत क्राइम ब्रांच ने मध्य प्रदेश के मुलेना जिले के जौरा तालुका के खिडोरा गांव से गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले वर्ष से पेरोल पर छुट्टी लेकर फरार था।

यह मामला 2 दिसंबर 2017 को शुरू हुआ था, जब पीड़िता महिला अहमदाबाद-गांधीनगर से बस लेकर सुरत आ रही थी। रात को सेंट्रल बस डिपो के बाहर बैठी महिला को रामुसिंह उर्फ मालीया सिकरवार और छोटाराम उर्फ छोटू कुशवाह ने अपनी रिक्शा में बैठा लिया और सारथाणा इलाके में अपने निवास स्थान पर ले गए। वहां दोनों आरोपियों ने महिला का अपहरण कर उसे बंधक बनाकर उसके साथ गैंगरेप किया।

इस घटना में आरोपियों के खिलाफ IPC की धारा 376(डी) (गैंगरेप), 307 (हत्या का प्रयास) समेत कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच और समीक्षा के बाद सुरत की विशेष अदालत ने दोनों आरोपियों को 25 साल की कड़ी सजा सुनाई थी।

पेरोल पर छूटकर फरार हुआ आरोपी

दोषी रामुसिंह जो लाजपोर मध्यस्थ जेल में सजा भुगत रहा था, उसे 1 दिसंबर 2023 को जिला मजिस्ट्रेट, सुरत के आदेश से 15 दिन की पेरोल रिहाई दी गई थी। उसे 17 दिसंबर तक जेल में लौटना था, लेकिन वह समय पर वापस नहीं आया। इसके बाद उसके खिलाफ पेरोल तोड़ने का मामला दर्ज किया गया और उसकी खोज शुरू कर दी गई।

क्राइम ब्रांच की लगातार निगरानी के बाद पकड़ा गया

# 7 वर्षीय बच्चे की बुखार के कारण मौत,परिजनों ने लगाया इंजेक्शन की ओवरडोज का आरोप।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पांडेसरा क्षेत्र से आने वाले और वर्तमान में दत्त कुटीर इलाके में रहने वाले 7 वर्षीय प्रणव सुधाकर कोरे नामक बच्चे का बुखार के चलते पिछले 15 दिनों से नई सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उसकी किडनी फेल हो जाने से उसकी दुखद मौत हो गई है। बच्चे की मौत के बाद परिवार शोकग्रस्त हो गया है और उन्होंने अस्पताल के डॉक्टरों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बच्चे को बुखार होने पर पांडेसरा से नई सिविल अस्पताल लाया गया था, जहां उसे ICU विभाग में भर्ती कर इलाज जारी रखा गया। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों द्वारा दिए गए इंजेक्शन की ओवरडोज के कारण बच्चे की किडनी फेल हो गई और उसकी मौत हो गई। परिवार वालों का कहना है कि वे बच्चे को बेहतर इलाज के लिए किसी सुसज्जित निजी अस्पताल में ले जाना चाहते थे, लेकिन नई सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें निजी अस्पताल में रेफर करने से मना कर दिया।

डॉक्टरों की लापरवाही और इंजेक्शन की अधिक मात्रा के चलते बच्चे की हालत बिगड़ती गई और अंततः उसकी मृत्यु हो गई। मृत बच्चे का परिवार सूरत में अपने रिश्तेदारों के पास आया था। घटना के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। उन्होंने तत्काल अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अब पूरे मामले की पुलिस द्वारा जांच शुरू कर दी गई है।